दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 216
मुरादाबाद
(Friday)
28 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

हमारी युवाशक्ति नई ऊंचाइयों को छू रही, स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस के उद्घाटन पर बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, %हमने स्पेस सेक्टर में ऐतिहासिक सुधार किए हैं, इसे प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला है, नई स्पेस पॉलिसी बनाई है। स्टार्टअप्स और इंडस्ट्री को नवाचार से जोड़ा है, इन-स्पेस शुरू किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्काइरूट इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया। स्काइरूट इन्फिनिटी कैंपस, अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाला एक स्टार्टअप है। पीएम मोदी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि आज देश का अंतरिक्ष क्षेत्र एक अभूतपूर्व अवसर का साक्षी बन रहा है। आज भारत के स्पेस इको सिस्टम में निजी सेक्टर बड़ी उड़ान भर रहा है। स्काइरूट इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति को दर्शाता है। साथ ही यह सरकार के अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों को भी नतीजा है।

पीएम मोदी ने भारत की युवाशक्ति को सराहा- प्रधानमंत्री ने कहा कि %हमारी युवाशक्ति की नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता और उद्यमशीलता नई बुलंदी को छू रही है। भारत के प्राइवेट सेक्टर का अंतरिक्ष टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। आज वैश्विक निवेश के लिए भारत का अंतरिक्ष सेक्टर एक लुभावनी जगह बन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप नई उम्मीद दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर, जब रॉकेट साइकिल पर ले जाए जाते थे, और अब भारत के सबसे विश्वसनीय लॉन्च व्हीकल बनकर उभरने का जिक्र किया।

पीएम मोदी ने कहा कि यह सफर भले ही कम संसाधनों के साथ शुरू हुआ, लेकिन विकास ने साबित कर दिया कि पक्का इरादा ही सपनों को तय करता है।

बदलते समय में अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें संचार, मौसम का अनुमान, शहरी विकास योजना और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हो गए हैं। ऐतिहासिक सुधारों का मिला फायदा- पीएम मोदी ने कहा, हमने स्पेस सेक्टर में ऐतिहासिक सुधार किए हैं, इसे प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला है, नई स्पेस पॉलिसी बनाई है। स्टार्टअप्स और इंडस्ट्री को नवाचार से जोड़ा है, इन-स्पेस शुरू किया है।

उन्होंने आगे कहा कि न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी क्षेत्र के लिए खोलने की योजना है।भारत की प्रमुख निजी स्पेस कंपनी है स्काईरूट- स्काईरूट भारत की प्रमुख निजी स्पेस कंपनी है, जिसे

पवन चंदना और भरत ढाका ने शुरू किया था। दोनों द्ब्रढ्ढञ्ज के पूर्व छात्र और इसरो के पूर्व वैज्ञानिक हैं। नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-स लॉन्च किया, और ऐसा करने वाली यह पहली भारतीय प्राइवेट कंपनी बन गई। स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस, कई लॉन्च व्हीकल को डिजाइन करने, विकसित करने, एकीकृत करने और परीक्षण करने के लिए लगभग दो लाख वर्ग फीट का कैंपस होगा, जिसमें हर महीने एक ऑर्बिटल रॉकेट बनाने की क्षमता होगी।

कर्नाटक में अब किसे मिलेगी CM की कुर्सी? नेतृत्व परिवर्तन पर खरगे बोले- पूरा हाईकमान करेगा फैसला

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि इस मुद्दे पर फैसला बातचीत के बाद ही किया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि यह निर्णय अकेले नहीं बल्कि सामूहिक रूप से लिया जाएगा। उन्होंने बंगलूरू में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि इस पर पूरा हाईकमान फैसला करेगा।कर्नाटक में अब मुख्यमंत्री की कुर्सी किसे मिलेगी? इस सवाल पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रतिक्रिया दी है। खरगे ने बंगलूरू में पत्रकारों से बातचीत में कहा, %मैं सबको बुलाकर चर्चा करूंगा। उस बैठक में राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। पूरी हाईकमान टीम मिलकर निर्णय लेगी। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 20 नवंबर को अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा सफर पूरा किया है। इसी के बाद सत्ता परिवर्तन की चर्चा फिर तेज हो गई है क्योंकि चुनाव से पहले यह संकेत मिले थे कि ढाई-ढाई साल सत्ता साझा होगी, हालांकि पार्टी ने कभी आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की।शिवकुमार का संदेश- बात पर कायम रहना ही ताकत- उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसे राजनीतिक हलकों में कांग्रेस नेतृत्व के लिए संकेत माना जा रहा है। उन्होंने लिखा, %वचन की ताकत ही दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। जो कहा है, उस पर चलना चाहिए- चाहे वह जज हो, राष्ट्रपति हो या मैं खुद ही क्यों न रहूं। उनका पोस्ट ऐसे समय पर आया है जब खुद शिवकुमार ने 29 नवंबर को सोनिया गांधी से मुलाकात का समय मांगा है।पार्टी के अंदर मतभेद खुलकर सामने- इसी बीच कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि अगर पार्टी में नेतृत्व को लेकर विवाद है तो विधानसभा भंग कर दोबारा चुनाव कराया जाए। उन्होंने कहा, %जब सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री चुना गया था तो वह कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का फैसला था। ऐसे में अगला फैसला भी सीएलपी को ही करना चाहिए। हालांकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सिद्धारमैया को पूरा कार्यकाल देने का समर्थन किया और दूसरे विकल्प के तौर पर गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर का नाम भी सामने रखासिद्धारमैया बोले- बेवजह की बहस मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस पूरी चर्चा को अनावश्यक बहस बताया है। वहीं डीके शिवकुमार ने कहा कि वह कांग्रेस के साथ हैं और उनके इस्तीफे की खबरें सिर्फ अफवाह हैं। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस हाईकमान आने वाले कुछ दिनों में फैसला कर सकता है। अब सभी की निगाहें आगामी बैठक और दिल्ली में होने वाली अहम बातचीत पर टिकी हुई हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग लड़कियों का निकाह... नियमों को दरकिनार, ब्रिटिश मौलाना के घर में संचालित था अवैध गर्ल्स हॉस्टल

ब्रिटिश मौलाना के घर में अवैध गर्ल्स हॉस्टल संचालित था। नियमों को दरकिनार करके मदरसे के साथ हॉस्टल चलाता था। मेरठ और नोएडा जिले तक की लड़कियां हॉस्टल में रहतीं थीं। ब्रिटिश मौलाना शमसुल हुदा खान मदरसे के साथ ही नियमों को दरकिनार करते हुए गर्ल्स हॉस्टल भी चलाता था। कुछ लोगों ने इसकी शिकायत भी की लेकिन जिम्मेदारों ने इस पर ध्यान नहीं दिया।बताया जाता है कि गर्ल्स हॉस्टल में अधिकतर दूसरे जिलों और दूरदराज से आकर मदरसे में तालीम ले रही लड़कियों को रखा जाता था। मौलाना पर ब्रिटेन में नाबालिग लड़कियों का निकाह कराने के आरोप भी लगे थे ऐसे में मुमकिन है कि हॉस्टल की जांच होती तो कुछ बड़े मामले खुल सकते थे।गोश्त मंडी रोड पर संचालित मदरसा कुल्लियातुल बनातिर रजविया में 336 छात्राओं को पंजीकरण है। इनमें कुछ स्थानीय छात्राओं के साथ ही नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ तक की तमाम छात्राएं तालीम ले रहीं थीं। बाहरी छात्राओं के लिए बिना विभाग में पंजीकरण कराए हॉस्टल की भी व्यवस्था की गई थी। दोबारा मदरसा सील होने से पूर्व ही शिकायतकर्ता अब्दुल हकीम खान ने प्रबंध तंत्र पर बिना स्थानीय प्रशासन अथवा प्राधिकरण की स्वीकृति के नाबालिग लड़कियों का हॉस्टल संचालित किए जाने की शिकायत की थी।

कानपुर से पैदल पहुंची दिव्यांग खुशी से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात... उसके बनाए चित्रों को देख हुए भावुक

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुशी और उसके परिवार से मुलाकात की और उसे मदद का आश्वासन दिया। वो अपने साथ पीएम मोदी का चित्र भी लेकर आई थी। योगी ने उसे पास बुलाकर उसके बनाए सभी चित्रों को ध्यान से देखा।गरीबी व खामोशी से जूझ रही कानपुर की 20 वर्षीय खुशी गुप्ता के जीवन में बुधवार को नया सवेरा आया। अपने हाथों से बनाए चित्रों के माध्यम से सीएम योगी आदित्यनाथ तक अपना दर्द पहुंचाने की उसकी कोशिश रंग लाई।खुद मुख्यमंत्री ने पहल करते हुए खुशी और उसके परिवार को अपने सरकारी आवास पर बुलाया, जहां न केवल उसके भविष्य को संवारने का वचन दिया गया, बल्कि परिवार की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए आवास और शिक्षा की जिम्मेदारी भी उठाई। बुधवार को कानपुर के ग्वालटोली अहरानी निवासी खुशी अपने पिता कल्लू गुप्ता, माता गीता गुप्ता और भाई जगत गुप्ता के साथ मुख्यमंत्री आवास आई थी। आर्थिक दिक्कतों से जूझ रहे इस परिवार से योगी ने स्नेहपूर्वक बात की।खुशी के पिता पहले संविदा पर गार्ड की नौकरी करते थे, जो अब छूट चुकी है। मां गीता गुप्ता घरों में काम करके परिवार का खर्च

चलाती हैं। खुशी अपने साथ पीएम मोदी का चित्र भी लेकर आई थी। योगी ने उसे पास बुलाकर उसके बनाए सभी चित्रों को ध्यान से देखा। मुलाकात के बाद परिजनों ने कहा कि यह अनुभव शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। बिना बताए घर से निकली- खुशी की कहानी दृढ़ संकल्प की है। 22 नवंबर को वह बिना बताए अपने घर से अकेली निकल पड़ी थी। उसका एकमात्र उद्देश्य मुख्यमंत्री को अपने हाथ से बनाया चित्र देना था। राजधानी पहुंचने के बाद वह रास्ता भटक गई और लोकभवन के बाहर बैठकर रोने लगी। हजरतगंज पुलिस ने उसे संभाला और उसके परिवार को सूचना दी। खुशी पढ़ी-लिखी नहीं है, लेकिन अपने पिता का नाम और मुख्यमंत्री का नाम लिखना जानती थी। सीएम ने खुद बुलाया खुशी के बारे में पता चलने पर योगी ने तुरंत उसके परिवार को अपने आवास पर बुलाया। सीएम ने उसके लिए कानपुर स्थित मूकबधिर कॉलेज में शिक्षा की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। पढ़ाई और स्किल डेवलपमेंट के लिए मोबाइल और टैबलेट भी दिया। सरकार उसके कान के इलाज की भी व्यवस्था कर रही है। परिवार को आवास भी दिया जाएगा।

मार्की खिलाड़ियों में सबसे महंगी रहीं दीप्ति शर्मा, 3.2 करोड़ की बोली लगी, वोल्वार्ट दिल्ली में

भारत की दीप्ति शर्मा नीलामी में उतरीं जिनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। उम्मीद की जा रही थी कि दीप्ति के लिए बड़ी बोली लगेगी, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें आधार मूल्य पर लेने की इच्छा जताई। दीप्ति के लिए दिल्ली के अलावा किसी टीम ने रुचि नहीं जताई। हालांकि, यूपी वारियर्स ने राइट टू मैच कार्ड का इस्तेमाल किया।महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सत्र के लिए हुई मेगा नीलामी में मार्की खिलाड़ियों में भारत की दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी रहीं। दीप्ति को लेने के लिए शुरुआत में सिर्फ दिल्ली ने रुचि जताई, लेकिन यूपी वारियर्स ने राइट टू मैच (आरटीएम) का इस्तेमाल किया जिसके बाद दिल्ली ने दीप्ति का भाव बढ़ा दिया। हालांकि, यूपी ने इसे स्वीकार किया। मेगा नीलामी में सबसे पहले मार्की खिलाड़ियों की बोली लगी। सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली नीलामी में उतरीं जिनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। हालांकि, पहली बार में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा और वह अनसोल्ड रहीं। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन दूसरे नंबर पर आईं जिनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। जनमें आरसीबी और गुजरात के बीच शामिल रहीं। इन दोनों फ्रेंचाइजी के बीच डिवाइन को लेने की होड़ दिखी। बीच में दिल्ली कैपिटल्स भी दौड़ में शामिल हुई। गुजरात ने दो करोड़ रुपये की बोली लगाई और दिल्ली-आरसीबी पीछे हट गईं। डिवाइन को गुजरात जाएंट्स ने दो करोड़ रुपये में खरीदा।

शव की जगह प्लास्टिक के पुतले का अंतिम संस्कारः लकड़ियां सजाकर तैयार की चिता;कफन हटाकर देखा तो सब हैरान

हापुड़ के गढ़ में दो युवक शव की जगह पुतले का अंतिम संस्कार करने पहुंचे। लोगों ने जब चिता से कपड़ा हटाकर देखा तो शव की जगह प्लास्टिक का पुतला मिला। दो युवक हिरासत में लिए गए हैं। दोनों से पूछताछ की जा रही है।हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट में गुरुवार दोपहर दो युवक एक कार में शव लेकर अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे। घाट पर उन्होंने

लकड़ियां सजाकर चिता तैयार की और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू ही करने वाले थे कि मौके पर मौजूद एक व्यक्ति को कुछ शक हुआ।शक के बाद कुछ लोगों ने कफन हटाया तो चिता में शव की जगह प्लास्टिक का पुतला था। यह दृश्य देखकर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। उसी समय दूसरे अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे ग्रामीणों ने भी यह नजारा देखा और दोनों युवकों को पकड़ लिया।कुछ ही देर में वहां पुलिस भी पहुंच गई और दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला किसी बड़ी धोखाधड़ी या आपराधिक साजिश की ओर इशारा कर रहा है।

चर्चा यह भी है कि किसी जीवित व्यक्ति को मृत दिखाकर बीमे की राशि हड़पने, किसी अपराधी को मृत दर्शाकर कानून से बचाने, या किसी बड़े क्राइम प्लान के तहत यह पुतला चिता पर रखकर जलाने की तैयारी की जा रही थी। फिलहाल पुलिस दोनों युवकों से पूछताछ कर रही है।

संपादकीय Editorial

Does 'India' exist or not?

After the crushing defeat in Bihar, the opposition appears to be divided once again. It's unclear whether the 'India' bloc or the Grand Alliance ever existed, as their constituent parties have been contesting elections against each other. Bihar is the latest example. Now, two contradictory statements have emerged. One is regarding the 'India' alliance, stating that it is no longer needed, and therefore, the Congress has announced its separation from the RJD and SP. Sources who broke the news claim this was the Gandhi family's decision. However, Congress's Organizational General Secretary, KC Venugopal, has denied this decision. However, it has been announced that the Congress will contest the elections in West Bengal and Assam alone. Neither 'India' existed in Kerala, nor is an alliance possible, as the Congress is the main opposition party there and has been out of power for 10 years. The Left Front is in power. Elections in Tamil Nadu are also scheduled for April-May 2026. Until now, Congress is a partner in power with the support of the DMK government. There has been no announcement of new alliances. Congress has not been able to elect its own Chief Minister in Tamil Nadu for the past 58 years. In Bengal, Chief Minister Mamata Banerjee's party, the Trinamool Congress, is only partially part of the "India" alliance. While it claims to be a part of this alliance, it does not form an alliance with a major party like Congress. Both contest parliamentary and assembly elections separately. This time, too, there is no possibility of an alliance, either because Congress is now in a mood to fight its political battles alone or because it is under political compulsion. The question is, given this situation, why did Mamata Banerjee's followers, after the Bihar defeat, start clamoring that Mamata should be given the leadership of the "India" alliance? Another voice has begun to resonate in Uttar Pradesh that SP President Akhilesh Yadav should be chosen as the head of the "India" bloc. Assembly elections in Uttar Pradesh are due in 2027. In the Lok Sabha, the SP, with 37 MPs, is the third largest party, after the BJP's 240 and the Congress's 99. Congress hasn't been in power in Uttar Pradesh since 1989 and in Bengal since 1977, but when assessing the "India" alliance, the existence of an opposition alliance without Congress is unimaginable. The gap between Congress and SP, Trinamool Congress, and DMK, in terms of elected representatives, is extremely wide. If "India" is to survive, it is impossible to ignore Congress's leadership. Whether that leadership is Mallikarjun Kharge's or Rahul Gandhi's! In fact, Congress is the foundation of the "India" alliance. It has three state governments and over 650 MLAs. The contribution of Congress's 99 MPs in the Lok Sabha has helped the opposition alliance reach 234 MPs, resulting in Rahul Gandhi as the Leader of the Opposition. No opposition alliance in India has been successful. It has always been formed only to collapse. Since alliances are formed, they are destined to break. The most successful coalition experiment was that of the Janata Party. The Janata Party emerged after the merger of all opposition parties, but it too disintegrated after three and a quarter years. Alliances led to the rise of short-term Prime Ministers like VP Singh, Deve Gowda, and Inder Kumar Gujral, but their governments lasted not even a year. The Congress government supported the Deve Gowda and Gujral governments from outside. At the central level, the UPA coalition remained in power for 10 consecutive years because the Congress was the foundation of the coalition. Left parties and other parties allied with it. A similar experiment was attempted during Atal Bihari Vajpayee's tenure as Prime Minister, when other parties formed an alliance with the BJP and named it the NDA.

Pakistan is becoming increasingly unruly, first supplying drugs and now weapons to gangsters.

The Delhi Crime Branch has busted an arms smuggling racket linked to Pakistan. Pakistan previously supplied weapons to Khalistan supporters, but now it is also supplying them to gangsters. It is radicalizing Muslim youth and turning them into jihadists. The Faridabad module in the Red Fort attack has links to Pakistan. The US President is responsible for Pakistan's anti-India stance. India should exert pressure on Pakistani terrorist organizations. The busting of an arms smuggling racket: Pakistan is supplying weapons to gangsters, a conspiracy to destabilize India. The Delhi Crime Branch's busting of an arms smuggling racket linked to Pakistan is not surprising. Pakistan has been doing this for a long time. Until now, the weapons it sent to Punjab via drones along with drugs were for pro-Khalistan terrorists. Now it is becoming clear that it is also supplying weapons to gangsters. This suggests that Pakistan is using every possible means to disrupt and destabilize India on a much larger scale. It is not only sending drugs and weapons, but also indoctrinating Muslim youth into Jihadis by indoctrinating them with religious fanaticism. It is a fact that the Faridabad module that carried out the terrorist attack near the Red Fort in Delhi has links to Pakistan. Previously, several terrorists have been arrested who were involved in Jihadi activities at the behest of Pakistan-based terrorist organizations like Lashkar or Jaish. It should also not be overlooked that attempts to infiltrate terrorists from across the border continue. This clearly indicates that Pakistan, already devastated by Operation Sindoor, is once again at its peak of audacity. This is due not only to the autocratic nature of the Jihadi-minded General Asim Munir, but also to the US President's support for Pakistan. Now, there is no doubt that the US President is directly responsible for Pakistan's increasingly unbridled anti-India stance. He is leaving no opportunity to praise the same Pakistan that, during his previous tenure, he himself had described as treacherous and a harborer of terrorists. If he has suddenly had a change of heart during this term, it is due to his own personal interests. He is prioritizing his own interests over America's. Besides the greed to fulfill his own narrow self-interests, Trump is also falling into Pakistan's trap because he enjoys false praise, and Pakistanis are masters at it. By siding with Pakistan, which fosters terrorism and promotes drug trafficking, the US President is not only creating a crisis for India but also endangering the peace of South Asia. It is essential for India not only to continue exposing Pakistan's terrorist face to the US, but also to prepare to pressure and target the Pakistani military, the intelligence agency ISI, and the terrorist organizations they nurture.

Opposition relies on false allegations, creating narratives to stop BJP's political gains

Nitish Kumar has been sworn in as Chief Minister for the tenth time, but the debate over the NDA's victory continues. The opposition is alleging vote theft, even though the Election Commission successfully conducted the elections. Despite the SIR, both the NDA and the opposition won in some areas. The opposition is trying to stop the BJP's political gains by relying on false allegations. Nitish Kumar has been sworn in for the tenth time. The opposition's allegations about the NDA's victory. Controversy over voter list revision. Nitish Kumar has been sworn in as Chief Minister of Bihar for the tenth time and the portfolios have been allocated to ministers, but the debate continues as to how the NDA achieved such a landslide victory. Electoral victory depends on many factors. There were many reasons for the NDA's victory in Bihar. A major reason was the better seat sharing and coordination between the JDU-BJP and its other allies. Another major reason is the recovery of Bihar under Nitish Kumar's 20-year rule. This was taken into greater consideration because the Lalu-Rabri Yadav regime had become so synonymous with "jungle raj" that, like previous elections, it became an issue in this election as well, and it had its impact. The opposition is refusing to acknowledge this. Opposition parties, especially the Congress, are constantly harping on the issue of vote theft. The allegation of vote theft was raised before the elections, when the Election Commission had just begun conducting the Special Intensive Revision (SIR) of voter lists. The opposition staged protests and even organized a Voter Rights March, alleging vote theft, but by the time the elections arrived, it was no longer an issue. Post-election data shows that in some areas where a large number of people's names were deleted from the voter list, the NDA won in some areas, while the opposition won in others. There is no evidence to suggest that the SIR benefited the NDA. Even after millions of names were deleted from the voter list, no one complained that their names were deleted incorrectly. In other words, the deletions were correct. If this were not the case, people would have taken to the streets to complain. Even political parties have been unable to bring such individuals to light and complain because they couldn't find anyone. The Election Commission deserves praise for conducting the SIR in Bihar in a short time and successfully conducting subsequent elections. However, the opposition is criticizing it and opposing the SIR being conducted in nine states and three union territories. In opposition-ruled states, particularly West Bengal, Kerala, and Tamil Nadu, the ruling parties are protesting the SIR even more. The Chief Minister of Bengal has written to the Election Commission opposing the SIR, calling it unnecessary. She continues to say this despite the fact that thousands of Bangladeshis living in Bengal are returning to their country. It is the result of the SIR that many Bangladeshis are eager to return to Bangladesh. They are returning because they had infiltrated. Their return to Bangladesh proves Home Minister Amit Shah's assertion that infiltrators are living in the country and exploiting India's resources. There can be no place for illegal immigrants in a developing country like India. Other measures should also be taken to expel them, as it is not the Election Commission's job to take action against infiltrators. Bangladeshi infiltrators are returning because they fear that the SIR will expose them. It is hoped that the current SIR process will correct the voter lists in all states, including Bengal. Since the previous voter list correction was conducted nearly two decades ago, it has become riddled with flaws. Voter lists are not only full of duplications, but also include the names of the deceased and those who have settled elsewhere. Accurate voter lists are essential for fair elections. It is difficult to understand why opposition parties have a problem with correcting the voter lists. They complain about irregularities in the voter lists and also want to prevent the SIR from taking place. After all, this is not the first time the SIR is being conducted. It is the Election Commission's constitutional responsibility to conduct it. This is why the Supreme Court did not see the need to ban the SIR in Bihar. Even after the Supreme Court declared the SIR necessary, opposition parties are creating an impression that the BJP uses it to manipulate elections and that the Election Commission supports it. With this complaint, the Supreme Court has been approached again against the SIR being implemented in 12 states. The Congress, which suffered a dismal performance in Bihar, is planning to hold a rally at Delhi's Ramlila Maidan, clearly indicating that it will continue its false campaign on this issue. This is indicated by the statements made by Rahul Gandhi and other Congress leaders against the Election Commission. Rahul Gandhi's targeting of the Election Commission is an insult to a constitutional institution. In attempting to weaken this constitutional institution, he is weakening himself and his party, as the Supreme Court is upholding the SIR. Even though some so-called democracy advocates, including opposition leaders, have approached the Supreme Court against the SIR being implemented in 12 states, it is doubtful that they will be able to stop the process. The opposition refuses to understand that it can neither enhance its credibility with the public nor stop the BJP's political gains by resorting to false allegations. With this landslide victory, the BJP's number of MLAs across the country has reached 1,654, a record for the party. This number is sure to increase further in the coming days. If the opposition wants to stop the BJP's political rise, it must craft a narrative that wins public trust. This cannot be accomplished through false accusations. Ironically, false accusations are being leveled against the SIR. Just as it is not good for the ruling party to be too strong in a democracy, it is also not good for the opposition to be too weak.

पुलिस ने चोरी के माल के साथ दो चोरों को गिरफ्तार किया

कोतवाली क्षेत्र के गांव पैगम्बर पुर निवासी राम सिंह 24 नवंबर को अपने परिवार के साथ थाना पटवाई क्षेत्र के गांव रुजौड़ा रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गया था। 25 नवंबर को जब वह घर लौटा तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा पड़ा था। जिसे देख कर उसके एवं परिजनों के होश उड़ गए। घर के अंदर जाकर देखा तो बर्तन, चूल्हा, कुर्सियां, गैस सिलेंडर सहित कई घरेलू सामान गायब था। इसके अलावा कमरे की बनी छत पर रखी टीन व लोहे की पाइप भी चोर ले गए थे। चोरी किया गया सामान ट्रैक्टर ट्रॉली में भरकर में भरकर फरार हो गए। पीड़ित ने सौतेले भाई श्यामलाल का बेटा गणेश और राधेश्याम का बेटा श्यामलाल तथा एक अज्ञात व्यक्ति को नामजद कर पुलिस को तहरीर दी थी।

घटना के दौरान इन लोगों को उसके घर के पास संदिग्ध रूप से घूमते देखा था।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। बुधवार को पुलिस को सूचना मिली कि चोरी के आरोपी गांव के बराबर में अस्पताल में खड़े है। पुलिस मौके पर पहुंच गई और चोर गणेश और श्यामलाल को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी का माल बरामद कर आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेजा है।

मुरादाबाद एटीएम लूट: बैंककर्मियों से कई घंटे पूछताछ, दो संदिग्धों को हिरासत में लिया, नूंह-दिल्ली में दबिश

मुरादाबाद में एटीएम लूटकांड में पुलिस ने कुछ बैंक कर्मचारियों से पूछताछ की है। इसके अलावा बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली और नूंह में दबिश दी गई है। एक बदमाश के दो करीबियों को पुलिस ने हिरासत में लिया गया है। दिल्ली रोड पर लोकोशेड पुल के पास से एटीएम उखाड़ ले जाने के मामले में पुलिस ने बुधवार को पीएनबी के कर्मचारियों से पूछताछ की। जांच के लिए डीवीआर जब्त कर ली। बदमाशों की गिरफ्तार के लिए पुलिस टीमों ने दिल्ली और हरियाणा के नूंह में दबिश दीं।वहीं मुरादाबाद के एक बदमाश के दो करीबियों को पुलिस ने उठाया है। जांच में पुलिस को चार संदिग्ध मोबाइल नंबर भी मिले हैं। दिल्ली रोड पर लोकोशेड पुल के पास स्थित पंजाब नेशनल बैंक की एटीएम सोमवार की रात करीब तीन बजे तीन बदमाश उखाड़ ले गए।सात लाख रुपये निकालने के बाद बदमाश क्षतिग्रस्त मशीन अमरोहा जिले के रजबपुर क्षेत्र में फेंक गए। इस मामले में बुधवार को पुलिस की टीम बैंक पहुंची। जहां बैंककर्मियों से पूछताछ की गई। पुलिस ने बैंक के डीवीआर को अपने कब्जे में ले लिया है।इसके बाद पुलिस की तीन टीमें दिल्ली और हरियाणा के नूंह के लिए रवाना हो गईं। पुलिस को शक है कि वारदात को हरियाणा प्रांत के नूंह गिरोह ने अंजाम दिया है। टीमों ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए दिल्ली और नूंह में कई स्थानों पर दबिश दीं हैं। दूसरी ओर बदमाशों की शिनाख्त करने के लिए मुरादाबाद से लेकर अमरोहा तक के सीसीटीवी फुटेज को पुलिस ने खंगाला है।इसके अलावा एटीएम लूट की पूर्व की वारदातों में शामिल रहे मुरादाबाद के एक बदमाश के दो करीबियों को भी पुलिस ने पूछताछ के लिए उठाया है। वहीं जांच में चार संदिग्ध मोबाइल नंबर पुलिस के हाथ लगे हैं। पुलिस इन नंबरों की निगरानी कर रही है।पुलिस की चार टीमें अपना काम कर रही है। आशंका है कि इस घटना को नूंह के गिरोह ने अंजाम दिया है। इस मामले में अभी पुलिस किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। कई बिंदुओं को आधार बनाकर जांच की जा रही है। -कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी, मुरादाबादकार का नंबर फर्जी निकला-एटीएम उखाड़ने वाले बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने में कार का इस्तेमाल किया था। सीसीटीवी फुटेज में यूपी 70 एफ 1966 नंबर लगी ब्रेजा कार दिखी है। जांच में यह नंबर हरियाणा के ही क्रेटा कार का निकला है। पुलिस का कहना है कि बदमाशों ने फर्जी नंबर का प्रयोग किया है ताकि पुलिस को भ्रमित किया जा सके।

तेंदुए की तलाश में वन विभाग ने खंगाला शेखुपुरा का जंगल

स्वार (रामपुर)। गांव हसनपुर-उत्तरी के मझरा बढ़पुरा शेखुपुरा में तेंदुए की दहशत एक बार फिर से बढ़ गई है। बुधवार को वन विभाग की टीम ने गांव के जंगल में तेंदुए की तलाश की। टीम को कई जगह तेंदुए के पंजों के निशान मिले हैं। आठ नवंबर को तेंदुआ हसनपुर-उत्तरी के मझरा बढ़पुरा शेखुपुरा निवासी किसान कमलप्रीत सिंह के पालतू कुत्ते को घर से उठा ले गया था। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। शिकायत के बाद वन विभाग सक्रिय हुआ और बुधवार की सुबह टीम ने जंगल में सर्च अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम को कई स्थानों पर तेंदुए के पंजों के निशान मिले हैं। वन अधिकारियों ने तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि करते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने और रात के समय खेतों में न जाने की सलाह दी है।वन रेंजर सुरेश जोशी ने बताया कि क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है। साथ ही निगरानी के लिए कैमरा लगाने की तैयारी भी की जा रही है।

यूपी में 989 करोड़ की GST चोरी: 335 फर्जी फर्मों से 5478 करोड़ का टर्नओवर, मास्टरमाइंड की डायरी से खुला राज

मेरठ के मास्टरमाइंड इखलाक की डायरी में मिली 535 फर्मों की जांच पूरी हो गई है। इसमें राज्य कर विभाग को पता चला है कि 335 फर्जी फर्मों के जरिए 5478 करोड़ का टर्नओवर किया गया। इसके साथ ही 989 करोड़ की जीएसटी चोरी की गई। जीएसटी चोरी के आरोप में गिरफ्तार मेरठ के मास्टर माइंड इखलाक की डायरी में मिलीं 535 फर्मों की जांच राज्य कर विभाग ने पूरी कर ली है। इस गिरोह ने 335 फर्जी फर्मों पर देशभर में 5478 करोड़ का टर्नओवर किया। इसके साथ ही जीएसटी चोरी का आंकड़ा 989 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।जांच में 200 फर्मों पर लेनदेन होना नहीं पाया गया। राज्य कर विभाग के अधिकारी इसे देश की सबसे बड़ी जीएसटी चोरी मान रहे हैं। जीएसटी चोरी की जांच कर रही एसआईटी के हत्थे चढ़े आरोपी इखलाक की डायरी में 535 फर्मों के नाम और मोबाइल नंबर मिले थे।बाद में एसआईटी ने डायरी में मिले सबूतों को राज्य कर के अधिकारियों को सौंप दिए। इसके बाद राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों ने फर्मों की जांच कराई। करीब चार दिनों तक चली जांच में 535 में से 200 फर्मों पर कोई लेनदेन होना नहीं पाया गया। एके इंटरप्राइजेज से जुड़ीं 335 फर्मों पर 5478.35 करोड़ का कारोबार किया गया। यह कारोबार देश के अलग-अलग राज्यों में दर्शाया गया। इसमें 144 फर्मों की जांच पहले ही हो चुकी है। राज्य कर विभाग के मुताबिक सभी फर्मों की जांच पूरी होने के बाद 989.13 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई है। जांच के दौरान सबसे अधिक दिल्ली और गुजरात की बोगस फर्मों के कनेक्शन मिले हैं। जांच में पता चला है कि गुजरात की बड़ी फर्मों ने सरकार को चूना लगाने के लिए बोगस फर्मों का इस्तेमाल किया है। 126 फर्में सीजीएसटी, 87 एसजीएसटी से जुड़ीं-अपर आयुक्त ग्रेड-2 आरए सेठ ने बताया कि प्राथमिक जांच में एके इंटरप्राइजेज से जुड़ी 122 फर्में प्रकाश में आई थीं। 22 अन्य फर्में ईमेल से पकड़ी गईं। अभी इखलाक की गिरफ्तारी के बाद 213 फर्मों की जांच की गई हैं। इनमें 126 फर्में सीजीएसटी और 87 एसजीएसटी से जुड़ी हैं। देश की यह सबसे बड़ी जीएसटी चोरी बताई जा रही है। मुरादाबाद में पकड़े गए दो ट्रकों से 989 करोड़ की टैक्स चोरी का खुलासा मुरादाबाद में राज्य कर विभाग के अधिकारियों ने 24 और 25 अक्तूबर को चेकिंग के दौरान लोहे से लदे दो ट्रक पकड़े थे। अफसरों ने जांच की तो पता चला कि दो मोबाइल नंबरों पर 144 फर्जी फर्में पंजीकृत कराई गई थीं। इन फर्मों पर 400 करोड़ की जीएसटी चोरी की गई थीं। इस मामले में दो एफआईआर होने के बाद एसएसपी ने एसआईटी गठित की। इसके बाद एसआईटी की गिरफ्त में आए मास्टर माइंड इखलाक की डायरी में मिलीं 535 फर्मों की जांच में 989 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा हुआ। -महीनेभर की जांच में दो एफआईआर, सिर्फ दो गिरफ्तार-करीब महीने से चल रहे जीएसटी चोरी के मामले में राज्य कर विभाग की ओर से दो प्राथमिकी दर्ज कराई गई। इसमें नौ कारोबारियों और दो फर्मों को आरोपी बनाया गया। इसके अलावा एक एफआईआर लखनऊ में भी दर्ज है। वहीं एसआईटी ने 22 नवंबर को मेरठ निवासी मास्टर माइंड इखलाक और उसके सहयोगी इत्तेहात आलम उर्फ दानिश कबाड़ी को गिरफ्तार कर लिया। अभी गिरोह के सरगना समेत छह सदस्य की तलाश है। राज्य कर के अधिकारी एसआईटी के संपर्क में हैं। पूरे देश में फैले टैक्स चोरों के इस मकड़जाल को तोड़ा जाएगा। अभी 335 फर्मों की जांच के दौरान 989 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा किया गया है। -अशोक कुमार सिंह, अपर आयुक्त ग्रेड-1, मुरादाबाद जोन

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

1978 संभल दंगा : तराजू से बांधकर कुएं में फेंक दी थी व्यापारी की लाश...47 साल बाद खुदाई कर सबूतों की तलाश

संभल । संभल में सन 1978 में हुए साम्प्रदायिक दंगे से जुड़ी एक महत्वपूर्ण कार्रवाई बुधवार को शुरू की गई। प्रशासन ने उस कुएं की खोदाई का काम शुरू कराया जिसमें दंगाइयों ने हत्या के बाद किराना व्यापारी रामसरन रस्तोगी का शव फेंका था। संभल में 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा की घटना के बाद प्रशासन ने पाट दिए गये कुओं को खोजकर उनकी खोदाई कराने का काम शुरू किया तो

संभल से पलायन कर दिल्ली में बसे रामसरन रस्तोगी के पौत्र कपिल रस्तोगी ने 10 फरवरी 2025 को संभल आकर एसडीएम और डीएम को प्रार्थना पत्र देकर 1978 के दंगे में दादा की हत्या कर शव तराजू में बांधकर कुएं में डाल दिये जाने की घटना की जानकारी देकर कुएं को खुदवाने की मांग रखी थी।

24 नवंबर 2025 को डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण बिश्नोई शहर के पैदल मार्च कर रहे थे तभी बाजार गंज में सुशील रस्तोगी ने अधिकारियों को बताया कि 1978 दंगे में उनके ताऊ रामसरन रस्तोगी की हत्या के बाद शव उनकी दुकान के सामने कुएं में डाल दिया गया था। डीएम-एसपी ने सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार और पालिका ईओ डॉ. मणि भूषण तिवारी को कुएं की खुदाई कराने के निर्देश दिए थे। बुधवार को एकता पुलिस चौकी महमूद खां सराय स्थित मुख्य बाजार में कुएं की खुदाई का काम शुरू कराया गया। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार व पालिका के अधिशासी अधिकारी डॉ. मणि भूषण तिवारी की मौजूदगी में मजदूरों ने पाट कर बंद कर दिये गये कुएं की खोदाई शुरू कराई। टीले जैसी जगह पर खोदाई का काम शुरू हुआ तो तमाम व्यापारी खोदाई की वजह जानने के लिए वहां पहुंचने शुरू हो गये। आधे घंटे में ही नजर आ गया कुएं का वजूद- मजदूरों ने काम शुरु किया तो आधे घंटे में ही कुएं की दीवार नजर आ गई। सिटी मजिस्ट्रेट ने दीवार को देखा फिर उच्चाधिकारियों को जानकारी दी गई कि कुएं का वजूद नजर आ गया है।

संक्षिप्त समाचार

कान में गूंज रही सीटी...शहर में देर रात तक तेज आवाज में बज रहे डीजे

सहालग के सीजन में डीजे का तेज आवाज वृद्ध और हृदय रोगियों को भारी पड़ रहा है। कानफोडू आवाज उन्हें अस्पताल पहुंचा रही है। बावजूद इसके जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। केवल कागजी घोड़े दौड़ाए जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट आदेश है कि रात 10 बजे के बाद डीजे न बजाए जाएं, लेकिन देर रात तक सड़कों पर इनकी तेज आवाज और धमक जारी है। शादी विवाह के दौरान इनके आसपास से गुजरने वाले राहगीर परेशान हो रहे हैं। बरात में भीड़भाड़ के कारण वे तेजी से निकल भी नहीं पाते। डीजे के आतंक से कान में सीटी बजने की समस्या वाले लोगों की संख्या बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल के ईएनटी विभाग की ओपीडी में डॉ. समृद्धि सेठिया ने बताया कि इस समस्या को लेकर बीते कुछ दिनों से हर रोज चार-पांच लोग आ रहे हैं। तेज आवाज के साथ डीजे वाले रंग-बिरंगी चमक के साथ लेजर लाइट भी चमका रहे हैं। इससे आंखों को नुकसान हो रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि लेजर लाइट की किरणें आंखों की पुतली पर एक छोटे और तीव्र बिंदु पर केंद्रित होती हैं, इससे जलन या रोशनी कम होने की समस्या हो सकती है।महानगर में हैं 200 से अधिक डीजे- महानगर में 200 से अधिक डीजे संचालित हैं, इनमें कुछ के पास दुकानें हैं, बाकी अपने घरों से ही कारोबार कर रहे हैं। डीजे की बुकिंग सेटअप के मुताबिक होती है। बड़े सेटअप में गमले, लेजर लाइटें, बग्घी और फ्लोर आदि मांगा जाता है, जबकि छोटे में केवल डीजे ही रहता है। डीजे संचालक एक कार्यक्रम के 20 से लेकर 50 हजार रुपये तक वसूलते हैं। बुजुर्ग व हृदय रोगियों के लिए घातक है तेज आवाज- तेज आवाज में डीजे बजने से न सिर्फ बुजुर्ग व मानसिक रोगी परेशान होते हैं बल्कि हृदय रोगियों के लिए यह जानलेवा हो सकता है। जिला अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. मनोज यादव ने बताया कि डीजे की तेज आवाज के दौरान बेस की धुन परेशान करने वाली होती है। इससे मनोरोगियों को नींद नहीं आती, जिससे उनकी बेचैनी, परेशानी, तनाव आदि बढ़ जाता है। बुजुर्ग और हृदय रोगियों में हार्मोन तेजी से बदलने से दिल की गति (धड़कन) अनियंत्रित हो जाती है। जब नींद नहीं आती है तो घबराहट, बेचैनी आदि की दिक्कत होने लगती हैं। ट्रोपोनिन हार्मोन की वजह से हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

बिलासपुर में बसे पांच और बांग्लादेशी परिवारों को मिली भारत की नागरिकता

बिलासपुर (रामपुर)। तहसील क्षेत्र में निवास कर रहे पांच और बांग्लादेशी परिवारों को भारत की नागरिकता मिल गई है। अब इनकी संख्या 47 पहुंच गई है। अभी 603 परिवारों को नागरिकता मिलने का इंतजार है।तहसील क्षेत्र में बंगाली बाहुल्य गांव मानपुर ओझा, गोकुल नगरी, कौशलगंज, कृष्णा नगर, नगरिया खुर्द, लालपुर, रामनगर, शिवनगर, धनोरा फॉर्म, गोविंदपुरा, चकफेरी, डिबडिबा आदि स्थानों पर करीब ढाई हजार बांग्लादेशी हिंदू बंगाली परिवार रह रहे हैं। निखिल भारत बंगाली समन्वय समिति के विधिक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपांकर बैरागी ने बताया कि करीब ढाई हजार बांग्लादेशी हिंदुओं के परिवारों में करीब 14500 शरणार्थी लोग हैं। इन सभी परिवारों में से 650 परिवारों ने भारत की नागरिकता का आवेदन किया था, जिसमें से 12 लोगों को अक्तूबर में भारत की नागरिकता प्रदान कर दी गई थी। इसके बाद नवंबर में 30 लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान करने की सूची जारी की गई। इसके बाद अब पांच लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान की गई है।बताया कि 650 में अभी 603 आवेदक भारत की नागरिकता का इंतजार कर रहे हैं। भारत की नागरिकता मिलने पर कृष्णानगर के सभी पांचों परिवारों में आज खुशी का माहौल है। इन लोगों को मिली है भारत की नागरिकता- तहसील क्षेत्र के ग्राम मानपुर ओझा की कृष्णा नगर कॉलोनी निवासी धीरेन बोलोप, दिश्वजीत बोलोप, शेखर हलदार, समीर हलदार, शर्मिला हलदार को भारत की नागरिकता हासिल हुई है। क्या कहते हैं लोग- आज मेरा परिवार भारत की नागरिकता मिलने पर बेहद खुश है। मेरी सरकार से अपील है कि इसी तरह नगरिकता से वंचित सभी बंग्लादेशी लोगों को भी नागरिकता प्रदान करें। -धीरेन बोलोपग्राम कृष्णानगर बिलासपुर आज भारत की नागरिकता मिलने पर उनके परिवार को नई जिंदगी भारत सरकार ने दी है। उनका परिवार व बंगाली समाज भारत सरकार का हमेशा ऋणी रहेगा। -शेखर हलदार, निवासी कृष्णानगर,बिलासपुर भारत सरकार भारत की नागरिकता का इंतजार कर रहे सभी 608 परिवारों को भी शीघ्र ही नागरिकता प्रदान करे,

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सामूहिक विवाह समारोह, 469 जोड़ों ने लिए सात फेरे : 97 मुस्लिम जोड़ों ने भी निभाई रस्में

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बरेली कॉलेज मैदान में भव्य विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 469 जोड़ों ने विवाह के बंधन में बंधकर नई जिंदगी की शुरुआत की। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इनमें 97 मुस्लिम जोड़ों ने भी मंच पर ही निकाह की रस्में अदा कीं। कार्यक्रम के दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना महापौर डॉक्टर उमेश गौतम जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल भी मौजूद रही जिनके द्वारा नव विवाहितों को आशीर्वाद दिया गया।मुख्य विकास अधिकारी दिव्यानी ने गायत्री परिवार के संस्थापक के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सीडीओ ने बताया कि सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को समान अवसर प्रदान करना और सामाजिक समरसता बढ़ाना है। 372 हिंदू जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लिए, जबकि 97 मुस्लिम जोड़ों का निकाह काजी द्वारा कराया गया। विवाह मंडप को आकर्षक रूप से सजाया गया था। करीब 300 से अधिक अतिथि और बाराती कार्यक्रम में मौजूद रहे। विद्वान आचार्यों द्वारा विवाह की रस्में पूरी कराई गईं।सरकार की ओर से सभी नवविवाहित जोड़ों को स्टील का बर्तन सेट, डिनर सेट, अलमारी, चकला-बेलन, चांदी के पायल, लिबास, वॉटर कूलर, प्रेस, पंखा, बेडशीट, घड़ी, और अन्य गृहस्थी का सामान उपहारस्वरूप दिया गया। इसके अलावा विवाह प्रमाण पत्र और योजना लाभ के दस्तावेज भी सौंपे गए।

उपजिलाधिकारी बीसलपुर के विरुद्ध शिकायत होने के बाबजूद नियम विरुद्ध तहसील बीसलपुर को ही जांच सौंपने के सम्बन्ध में आइजीआरएस पर मुख्यमंत्री से की गई शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत / उपजिलाधिकारी बीसलपुर के विरुद्ध शिकायत होने के बाबजूद नियम विरुद्ध तहसील बीसलपुर को ही जांच सौंपने के सम्बन्ध में आइजीआरएस पर मुख्यमंत्री से शिकायत की गई है। शिकायतकर्ता ने उपजिलाधिकारी बीसलपुर पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्राम चिड़ियादाह निवासी ईश्वरी प्रसाद पुत्र रूपलाल ने जनसुनवाई पोर्टल पर मुख्यमंत्री को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र के अनुसार दिनांक 20.11.2025 को जन सुनबाई पोर्टल पर सन्दर्भ 40015125028139 पर उपजिलाधिकारी तहसील बीसलपुर जिला- पीलीभीत के विरुद्ध अनियमितता कर शिकायतकर्ता की कृषि भूमि गाटा सं0 335 रक्बा 3.3920 हे0 स्थित ग्राम रामनगर जगतपुर परगना, तहसील बीसलपुर जिला- पीलीभीत की तूदा बन्दी हेतु विधि एवं नियमानुसार आदेश पारित होने के बाबजूद नियम विरुद्ध तरह से तूदाबन्दी करने से रोकने के कारण उक्त प्रकरण में जनहित में न्यायिक जांच कराकर दोषी के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही कर रोंकी गई। तूदाबन्दी कराने हेतु जब उपजिलाधिकारी बीसलपुर से मांग की गई थी। लेकिन जिस तहसील से सम्बन्धित शिकायत की गई। प्रकरण की जांच उसी तहसील के अधिकारियों को सौंप दी गई। जिससे शिकायतकर्ता को को किसी भी तरह से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है, और जांच अधिकारियों के द्वारा कहीं भी किसी भी तरीके से शिकायतकर्ता को आर्थिक एवं मानसिक कठिनाईयां उत्पन्न कर तहसील के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा क्षति पहुंचाने की पूर्ण सम्भावना है। इसलिए संलग्न प्रार्थना-पत्र की जांच जनहित में अन्य उच्च अधिकारियों से न्यायिक जाँच कराया जाना आवश्यक है, जिससे शिकायतकर्ता को न्याय मिल सके। शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि दिनांक 20.11.2025 को प्रेषित सन्दर्भ संख्या- 40015125028139 की जाँच जनहित में अधिकारियों से न्यायिक जाँच कराकर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय काननी कार्यवाही कर उपरोक्त गाटा सं0- की तूदाबन्दी करने हेतु आदेशित एवं निर्देशित करने की मांग की है ।

मासूम के परिजनों का पता कर बच्चे को सकुशल किया गया परिजनों के सुपुर्द

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / आपरेशन मुस्कान के तहत थाना कोतवाली की महिला सुरक्षा दल द्वारा रास्ता भूलकर सड्क पर अवगत कराना है कि दिनांक 27.11.2025 को आज श्रीमान पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश में चलाये जा रहे आपरेशन मुस्कान के तहत श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में श्रीमान पुलिस अधीक्षक नगर महोदय के एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी कोतवाली नगर महोदय के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली की मिशन शक्ति टीम द्वारा रास्ता भटक कर सडक पर घूम रहे एक मासूम को सकुशल बरामद कर कडी मेहनत अथक परिश्रम कर लगन शीलता से उसके परिजनों का पता कर परिजनों के के सुपुर्द किया गया। घटना का विवरण.....आज दिनांक 27.11.2025 को थाना कोतवाली की मिशन शक्ति टीम को गश्त के दौरान एख बच्चा उम्र करीब ऽवर्ष प्रेम चुनरिया होटल के पास रोता हुआ मिला पुलिस टीम द्वारा बच्चे से टीम द्वारा बच्चे से उसके माता पिता एवं पता पूछा गया बच्चा नाम पता बताने में असमर्थ रहा थाना कोतवाली की मिशन टीम द्वारा अथक प्रयासों लगन शीलता कन्ट्रोल रुम सोशल मीडिया प्लेटफार्म एवं आस पास के व्यक्तियों से जानकारी करते हुये बच्चे के परिजनों का पता कर बच्चे को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने मुरादाबाद पुलिस को धन्यबाद दिया मुरादाबाद पुलिस के इस सराहनीय कार्य की बच्चे के परिजनों एवं आमजन मानस द्वारा सराहना की जा रही है। बच्चे के माता पिता का नाम व पता बच्चे का नाम- पार्थ पिता का नाम- पुनीत उर्फ राजू माता का नाम- संगीता निवासी - कोठीवाल नगर थाना कोतवाली नगर जनपद मुरादाबाद म बरामद करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 ईसार अहमद थाना कोतवाली नगर जनपद मुरादाबाद। 2. म0कां0 3254 कोमल देवी थाना कोतवाली नगर जनपद मुरादाबाद। 3. कां0 आनन्द थाना कोतवाली नगर जनपद मुरादाबाद।

श्रेष्ठ कार्य के लिए बीएलओ को किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / आंवला/रामनगर। रामनगर ब्लाक के गांव अजुध्या का मजरा देवकोला की बीएलओ हरनन्दन को एसआईआर का शत प्रतिशत कार्य पूरा करने पर सम्मानित किया गया। इस कार्य में उनके स्टाफ ने भी पूर्ण सहयोग दिया। लोगों ने उन्हें सम्मानित करने पर बधाई दी है।

मुख्यमंत्री के आगमन से पहले बरेली में तैयारियां तेज

सीएम दिलाएंगे किसानो को नई टाउनशिप का पहला मुआवजा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर में मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) के अधिकारियों की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान पीलीभीत रोड टाउनशिप में लाभार्थी पहले दो किसानों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों मुआवजा वितरित कराया जाएगा। इसके साथ ही ग्रेटर बरेली और रामगंगा नगर आवासीय योजना में सबसे पहले भूखंड खरीदने वाले दो आवंटियों का भी सीएम के हाथ सम्मान दिलाने को लेकर मंथन किया जा रहा है। बीडीए उपाध्यक्ष डा. मनिकंडन ए. ने बताया कि आगामी चार से पांच दिनों में पीलीभीत रोड टाउनशिप का भूमि अधिग्रहण शुरू कर दिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तिथि जारी होने के बाद ही अधिकृत कार्यक्रम जारी किया जाएगा। इससे पहले सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री का दिसंबर के पहले सप्ताह में कार्यक्रम लग सकता है। इस दौरान वह रामगंगा नगर आवासीय योजना और ग्रेटर बरेली आवासीय योजना के विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास कर सकते हैं।

साथ ही नई आवासीय योजना और इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकास पर भी फोकस कर सकते हैं।

एडीजे की भतीजी की संदिग्ध हालात में मौत, दहेज हत्या का लगाया आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एडीजे असगर अली और एडवोकेट अच्छन अंसारी की भतीजी एडवोकेट महजबीन की ससुराल में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घटना बृहस्पतिवार सुबह की है। सूचना पर मायके वाले पहुंचे। उन्होंने जाह्नवी के ससुरालवालों पर दहेज का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। जांच शुरू कर दी है।

शहर के बारादरी थाना क्षेत्र के सहसवानी टोला निवासी डॉक्टर हाशिम अंसारी ने अपनी बेटी महजबीन की शादी 27 फरवरी 2025 को प्रेम नगर थाना क्षेत्र के शाहाबाद निवासी डॉक्टर तलहा से की थी। महजबीन के चाचा असगर अली एडीजे हैं। उनकी तैनाती इन दिनों हापुड़ में हैं।

शहर के बारादरी थाना क्षेत्र के सहसवानी टोला निवासी डॉक्टर हाशिम अंसारी ने अपनी बेटी महजबीन की शादी 27 फरवरी 2025 को प्रेम नगर थाना क्षेत्र के शाहाबाद निवासी डॉक्टर तलहा से की थी। महजबीन के चाचा असगर अली एडीजे हैं। उनकी तैनाती इन दिनों हापुड़ में हैं। बृहस्पतिवार को सुबह महजबीन की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सूचना पर मायके वाले पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थाना पुलिस का कहना है कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। मायके वाले दहेज हत्या का आरोप लगा रहे हैं, लेकिन अभी तहरीर नहीं दी गई है।

फरार वारंटी कैलाश कुशवाह को थाना फिजिकल पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी, ब्यूरो। थाना फिजिकल पुलिस ने माननीय न्यायालय शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक 1236/24 में लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी कैलाश कुशवाह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

जानकारी के अनुसार आरोपी कैलाश कुशवाह पुत्र श्याम कुशवाह, उम्र 54 वर्ष, निवासी दर्पण कॉलोनी शिवपुरी प्रकरण सदर में फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले तथा सीएसपी शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे थे।

इसी क्रम में पुलिस टीम ने वारंटी कैलाश कुशवाह को 22 नवम्बर 2025 को हिरासत में लेकर माननीय न्यायालय शिवपुरी में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक निरोध में भेज दिया गया।

कार्यवाही में शामिल पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी-
निरीक्षक नम्रता भदौरिया, प्रआर 504 ऊदल सिंह गुर्जर, प्रआर 22 अंकित सिंह, आर 265 देवेंद्र रावत, आर 1131 प्रेम रावत तथा सैनिक 104 मनोज शर्मा की विशेष भूमिका रही।

सैद नगली में नशे का साम्राज्य बेखौफ़! नाबालिगों तक को चरस स्मैक बेचने वाले गिरोह के खिलाफ दो परिवारों की तहरीर – पुलिस मौन जनता में भारी आक्रोश

क्यूँ न लिखूँ सच /ताज मलिक / अमरोहा/सैद नगली। थाना सैद नगली क्षेत्र में नशे के सौदागरों ने तांडव मचा रखा है। स्मैक, चरस, अफीम, गांजा और शराब का धंधा खुलेआम सड़कों पर, कैंटीनों पर, और यहां तक कि आंबेडकर की मूर्ति तथा मथना रोड के पास बेरोकटोक चल रहा है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह सब थाने से महज़ कुछ कदमों की दूरी पर हो रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना बैठा है।

नाबालिग बच्चों पर काला शिकंजा

नशे के सौदागर भोले भाले नाबालिगों और नौजवानों को खास निशाना बना रहे हैं। पैसों की कमी होने पर ये स्मैक विक्रेताओं के कहने पर घर की सोने-चांदी की चीजें तक ले जाने को मजबूर कर दिए जाते हैं। दो परिवारों ने अपने बच्चों के नशे की गिरफ्त में आने पर नामजद तहरीरें थाने में दी हैं। सूत्रों के अनुसार एक ही विक्रेता के पास लगभग 4 तोले सोने की चीजें गिरवी पड़ी हैं, जो नशे में फंसाए गए युवाओं से मंगवाई गईं। मुख्य आरोपी विकास उर्फ़ बिक्की

स्थानीय जानकारी के मुताबिक विकास उर्फ़ बिक्की इस नशा नेटवर्क का प्रमुख चेहरा है और उसकी जल्द गिरफ्तारी की तैयारी बताई जा रही है। लोगों का कहना है कि नशा तस्करों ने युवा पीढ़ी को बरबाद करने की कसम खा रखी है सैद नगली की बड़ी से बड़ी हस्तियों के बच्चे तक इस जाल में फंस चुके हैं और घर-घर का धन इन स्मैक कारोबारियों तक पहुँच रहा है। जनता का फूटा गुस्सा खुलकर आ रहे नाम क्षेत्रीय जनता ने नशे के खिलाफ खुला मोर्चा खोल दिया है। लगातार नए नाम सामने आ रहे हैं और गांव में गुस्से की लहर तीव्र हो चुकी है।

सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि मथना रोड पर एक इंटर कॉलेज भी स्थित है और इसी रास्ते पर दिनदहाड़े नशा बेचा जा रहा है। छोटे-छोटे बच्चों को नशे की लत लगाई जा रही है।पुलिस पर बड़े सवाल । जबकि उत्तर प्रदेश सरकार नशामुक्ति अभियान पर जोर दे रही है,सैद नगली पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है,

और नशे का कारोबार फलफूल रहा है।

जनता सवाल पूछ रही है । क्या पुलिस को यह सब दिखाई नहीं दे रहा? या देखने की मंशा नहीं है? इस पूरे मामले ने सैद नगली में हड़कंप मचा दिया है। जनता की मांग है कि नशा विक्रेताओं पर तुरंत सख्त कार्रवाई हो । नामजद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो

मथना रोड व कैंटीनों की छापेमारी हो नाबालिगों को नशा बेचने वालों पर गैंगस्टर व हृस्र जैसे कड़े कानून लगे

सैद नगली में अब जनता खुलकर कह रही है नशे को नहीं, युवा पीढ़ी को बचाओ!

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने पुनरीक्षण कार्यों के सम्बन्ध में शहर के सभी कोटेदारों के साथ की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (Special Intensive Revision-SIR) के कार्यों के सम्बन्ध में शहर के समस्त कोटेदारों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में सम्पन्न हुई। सभी कोटेदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मतदाताओं के निवास स्थान को बताने तथा गणना प्रपत्र प्राप्त करने में पूरा सहयोग प्रदान करें क्योंकि क्षेत्र में कोटेदार लम्बे समय से हैं और स्थानीय लोग उनसे राशन प्राप्त करते हैं, अतः आपका परिचय का दायरा स्थानीय लोगों से ज्यादा है। ऐसे में लोगों के साथ बीएलओ को मिलवाने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है और आप मनोयोग से इस कार्य में लग जाए, जिससे निर्धारित समयावधि में कार्य को पूर्ण कराया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री, जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार, शहर के समस्त कोटेदार सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हिस्ट्रीशीटर बदमाश पारस सुभाषनगर पुलिस की मुठभेड़ में हुआ घायल

अवैध तमंचा व बाइक बरामद गंभीर मुकदमों में था वांछित

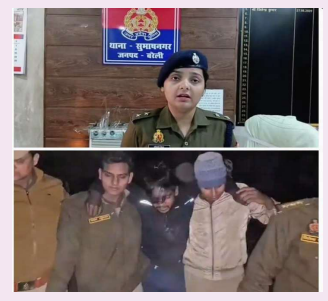

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस ने कुख्यात अपराधी पारस को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा, जिंदा कारतूस और एक स्प्लेंडर प्लस बाइक बरामद की गई है। पारस बरेली के विभिन्न थानों में चोरी, छिनैती, मारपीट, धमकी, दहेज उत्पीड़न और एससी-एसटी एक्ट समेत आठ गंभीर मुकदमों में वांछित था सुभाषनगर पुलिस क्षेत्र में गुरुवार देर रात चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध स्प्लेंडर बाइक सवार युवक को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही आरोपी तेज गति से भागने लगा। पीछा करने पर वह एक कच्चे रास्ते में फिसलकर गिर पड़ा। गिरने के बावजूद उसने खुद को बचाने के लिए पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने तुरंत पोजिशन लेकर जवाबी फायरिंग की, जिसमें पारस के पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिर गया। पुलिस ने उसे तुरंत काबू में किया और जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। मौके से पुलिस को एक तमंचा, कारतूस और चोरी की आशंका वाली स्प्लेंडर बाइक मिली, जिसे कब्जे में ले लिया गया। थाना सुभाषनगर पुलिस का कहना है कि पारस इलाके में काफी समय से सक्रिय था और कई वारदातों में शामिल पाया गया है। उसके खिलाफ कुल आठ मुकदमे दर्ज हैं और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस उसकी आपराधिक गतिविधियों और नेटवर्क की भी जांच कर रही है। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लोगों ने पुलिस की सराहना की है।

एक हजार करोड़ से होगा शहर का विकास पुनरीक्षित बजट किया जाएगा पेश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर को एक हजार करोड़ के बजट से विकास के पथ पर अग्रसर किया जाएगा। इस बजट की स्वीकृति के मंथन के लिए आगामी 29 नवंबर को कार्यकारिणी की बैठक नगर निगम सभागार में मेयर डॉ. उमेश गौतम की अध्यक्षता में होगी। निगम अधिकारियों के अनुसार बैठक में शहर के विकास पर खर्च होने के लिए करीब एक हजार करोड़ रुपये का बजट नगर निगम पेश करेगा। कार्यकारिणी समिति से बजट को मंजूरी मिलने के बाद स्वच्छता व्यवस्था, सीवर लाइनिंग, नई सड़कें, स्ट्रीट लाइटों के अपग्रेडेशन, जल आपूर्ति सुधार और हरित परियोजनाओं के कार्य कराए जाएंगे।

दिन में धूप तो रात में गिर रहा पारा, सांस की परेशानी वाले बढ़े मरीज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौसम में लगातार हो रहा उतार-चढ़ाव जारी है। दिन में जहां तेज धूप हो रही है वहीं शाम होते ही तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम में हो रहे इस उतार चढ़ाव का सेहत पर असर पड़ रहा है। बुखार, जुकाम, सर्दी, खांसी के साथ ही सांस लेने में तकलीफ, सीने में दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जिले में 81 केदो पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में सर्दी, बुखार, जुकाम के साथ ही सीने में दर्द, जलन वाले मरीजों की संख्या अधिक रही। स्वास्थ्य मेले में लोगों को इस मौसम में होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया।

कथा व्यास साध्वी प्रियंका शास्त्री जी ने कथा सुनाई, कथा सुनने मात्र

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) श्री राम महायज्ञ की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आज ग्राम रबा में कलश यात्रा के समापन के बाद कथा पंडाल में इस कथा के परीक्षित रमा आरपी निरंजन ने कथा व्यास साध्वी प्रियंका शास्त्री जी और श्री मद भागवत पुराण की पूजन अर्चन कर आरती उतारी इसके उपरांत कथा व्यास साध्वी प्रियंका शास्त्री ने कथा का शुभारंभ किया उन्होंने कहा कि यह कथा मात्र सुनने से पाप दूर हो जाते है उन्होंने कहा

कि जीवन में अच्छे कार्य करे और भगवान की उपासना कर पूजा आदि करें इस अवसर पर शिक्षक नेता रामशंकर छानी वीरेंद्र यादव मऊरानीपुर महेंद्र निरंजन मिस्टर धनोरा हरिचंद्र पटेल सदुपुरा सत्येंद्र गुर्जर दिक्कू नारायण सिंह मास्टर राजीव निरंजन वर्द सभासद शादाब अंसारी आलोक राठौर सहित तमाम लोग मौजूद थे वहीं सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाली कोंच के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह मंडी चौकी के प्रभारी नीतीश कुमार भेंड़ चौकी के प्रभारी सुशील कुमार दीवान हरिओम सिपाही अभिषेक पाल सत्येंद्र सिंह यादव सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

नवा टोला में देर रात बाइक चोरी; सीसीटीवी में कैद तीन चोर

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में कबाड़ कारोबार भी चरम पर, चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी से ग्रामीण परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी-बिहारपुर में देर रात चोरी की वारदात सूरजपुर जिले के चांदनी-बिहारपुर थाना क्षेत्र के नवा टोला में मंगलवार देर रात एक साहसिक चोरी की घटना सामने आई है। रात 11 बजकर 23 मिनट पर तीन अज्ञात चोरों ने मिलकर बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना की पूरी तस्वीर पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

यह मामला स्थानीय निवासी जनार्दन यादव के किराना दुकान के सामने का है। रोज की तरह रात में उनकी बाइक वहीं खड़ी थी। देर रात जब पूरे गांव में सन्नाटा था, तभी तीनों युवक धीरे-धीरे पैदल आते दिखाई देते हैं। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि सभी के मुंह पर गमछा बंधा हुआ है,

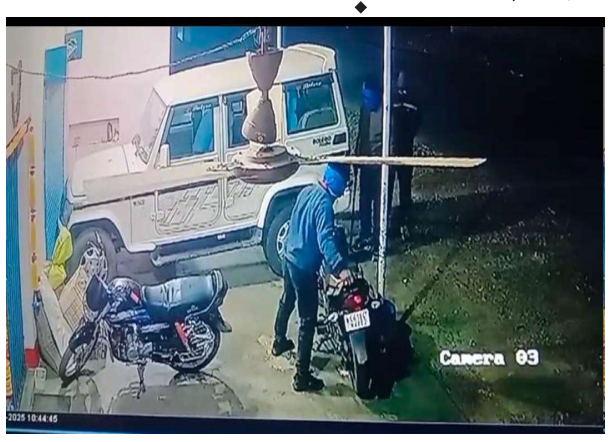

ताकि पहचान छिपाई जा सके। फुटेज में तीनों पहले आसपास की स्थिति का जायजा लेते हैं, फिर मौका पाकर बाइक को धीरे-धीरे धक्का देकर सड़क के किनारे ले जाते हैं। कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद बाइक को स्टार्ट करते हैं और मौके से फरार हो जाते हैं। पूरी वारदात कुछ ही पलों में निपटा ली गई – जो यह दर्शाता है कि चोर पहले से तैयारी करके आए थे।

सुबह जब बाइक गायब मिली, तब जनार्दन यादव ने तुरंत सीसीटीवी चेक किया और पूरी घटना सामने आई। इसके बाद उन्होंने चांदनी-बिहारपुर थाना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने फुटेज को अपने कब्जे में लेकर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी के अनुसार, फुटेज में दिखाई दे रहे तीनों संदिग्ध युवकों की कद-काठी, पहनावा और हिलने-डुलने की बॉडी लैंग्वेज के आधार पर पुलिस आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और बहुत जल्द चोरी का खुलासा किया जाएगा।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में चिंता और नाराजगी दोनों देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, और रात में पुलिस गश्त भी बेहद कमजोर हो गई है। लोगों ने मांग की है कि रात में गश्त बढ़ाई जाए और गांव में अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं।

फिलहाल पुलिस की टीम कई जगहों पर छापेमारी, पूछताछ और संभावित रूट की जांच कर रही है। चोर किस दिशा में भागे, किस रास्ते से आए – इसका भी पता लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

समाजवादी पार्टी नेता जावेद रज़ा उर्फ़ बॉबी ने 26/11 शहीदों को नमन किया मुंबई हमले की 17 वीं बरसी पर भावुक श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच /ताज मलिक / अमरोहा। मुंबई आतंकी हमले की 17 वीं बरसी पर समाजवादी पार्टी के अमरोहा जिला रज़ा उर्फ़ के वीर निर्दोष गहरी श्रद्धांजलि उन्होंने कहा 2008 का

उपाध्यक्ष जावेद बॉबी ने 26/11 शहीदों और नागरिकों को भावनाओं के साथ अर्पित की। कि 26 नवंबर हमला भारत की आत्मा पर सीधा प्रहार था एक ऐसा काला अध्याय जिसने पूरे देश को सदमे में डाल दिया था।26 नवंबर 2008 की रात लश्कर-ए-तैयबा के 10 सशस्त्र आतंकियों ने ताज होटल ओबेरॉय ट्राइडेंट नरीमन हाउस, ष्टस्ज्ञ रेलवे स्टेशन और लियोपोल्ड कैफे सहित कई स्थानों पर हमला किया। यह भीषण आतंकवादी हमला चार दिनों तक चला और 160 से अधिक लोगों की जानें गईं, जबकि दर्जनों जवान देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए।

जावेद रज़ा उर्फ़ बॉबी ने कहा । 26/11 सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि उन परिवारों की पीड़ा की अमिट याद है जिन्होंने अपना सबकुछ देश के लिए न्योछावर कर दिया। देश सदैव इन वीरों का ऋणी रहेगा। जावेद रज़ा उर्फ़ बॉबी ईमानदारी, मेहनत और जनसेवा का प्रतीक । जावेद रज़ा अपनी सादगी, साफ दिल, निस्वार्थ सेवा और जनता की तकलीफ़ों के प्रति समर्पण के लिए पूरे क्षेत्र में पहचाने जाते हैं।

वे लगातार समाज और युवाओं के हित में काम करते रहे हैं और हर सामाजिक मुद्दे पर सबसे आगे खड़े रहते हैं। उनकी मेहनत, लगन और ईमानदारी ने उन्हें जनता के बीच एक भरोसेमंद और सम्मानित चेहरा बनाया है। उन्होंने अपील की कि 26/11 की बरसी केवल याद करने का दिन नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने और देश में शांति-भाईचारा मजबूत करने का संकल्प लेने का अवसर है।

नियमित रूप से अपनी बीट मे भ्रमण करने व बीट बुक को अद्यावधिक रखने हेतु निर्देश दिए गए

क्यूँ न लिखूँ सच /ताज मलिक / जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश अवगत कराना है कि पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद द्वारा बीट कार्य प्रणाली को और अधिक सुदृढ करने हेतु प्रतिदिन पुलिस कार्यालय में प्रत्येक थाने से एक-एक

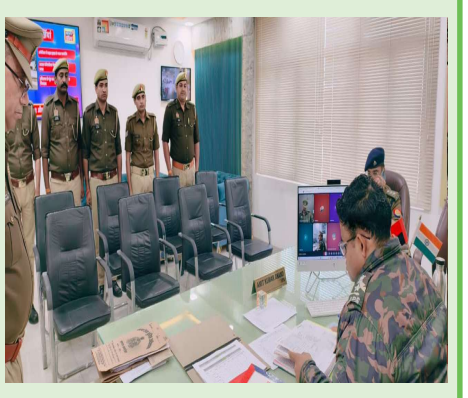

बीट आरक्षी को बुलाकर उनकी बीट बुक चैक की जा रही है । इसी क्रम में आज दिनांक 27.11.2025 को पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा समस्त थानों से आये बीट आरक्षियों की बीट बुक चेक कर बीट प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित रूप से अपनी बीट मे भ्रमण करने व बीट बुक को अद्यावधिक रखने हेतु निर्देश दिए गए । महोदय द्वारा सभी बीट पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने बीट क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनता से सतत संवाद बनाएं, सूचनाओं का समय से संकलन करें तथा बीट बुक्स में सभी प्रविष्टियाँ पूर्ण, अद्यतन एवं प्रामाणिक रूप से दर्ज करें। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी पारदर्शी और उत्तरदायी कार्यशैली से जनता का पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा

कानून एवं शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत थाना अमरोहा नगर क्षेत्र में भीड़भाड़ वाले स्थान, मुख्य बाजार आदि में पैदल गस्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

क्यूँ न लिखूँ सच /ताज मलिक / जिला अमरोहा /उत्तर प्रदेश अवगत कराना है आज दिनांक 27.11.2025 को पुलिस अधीक्षक अमरोहा श्री अमित कुमार आनंद द्वारा शांति एवं कानून व्यवस्था व आम जनमानस में सुरक्षा की भावना जागृत रखने हेतु अमरोहा नगर क्षेत्र के कोतवाली तिराहा, जेएस चौराहा, अम्बेडकर चौंक आदि मुख्य बाजार व भीड़ भाड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त/भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया एवं डयूटीरत अधिकारी/कर्मचारीगणों को आवश्यक निर्देश दिये गये । पैदल गस्त के दौरान आमजन, व्यापारियों, दुकानदारों आदि से वार्ता कर सुरक्षा का एहसास दिलाया गया । महोदय द्वारा जनपद के समस्त थानों को अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत पर्याप्त पुलिस बल के साथ एलर्ट रहकर निरन्तर भ्रमणशील रहते हुए गश्त किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर श्री अभिषेक यादव व प्रभारी निरीक्षक श्री पंकज तोमर आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे

श्रीराम महायज्ञ की वर्षगाँठ पर भव्य जलयात्रा, उमड़ा जनसैलाब

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ श्रीराम महायज्ञ की वर्षगाँठ पर भव्य जलयात्रा, उमड़ा जनसैलाब ग्राम पंचायत रबा- श्रीराम महायज्ञ की प्रथम वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा, रामलीला मंचन एवं मेला महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर आज एक भव्य जलयात्रा का आयोजन किया गया।

इस ऐतिहासिक आयोजन में सदस्य विधान परिषद श्रीमती रमा आर पी निरंजन जी के साथ सैकड़ों की संख्या में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।मुख्य आकर्षण

नेतृत्व जलयात्रा का नेतृत्व क्षेत्र की प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता /सदस्य विधान परिषद झांसी-जालौन-ललितपुर श्रीमती रमा आर पी निरंजन जी ने किया।

उनके साथ स्थानीय गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में

महिलाएँ, युवा तथा बुजुर्ग शामिल हुए।

उत्साह भक्तों के चेहरों पर अद्भुत उत्साह और भक्ति भाव देखने को मिला। जय श्री राम और राधे-कृष्ण के जयघोष से पूरा मार्ग गूँज उठा।

मार्ग जलयात्रा ने [ग्राम पंचायत रबा भेंड़] के प्रमुख मार्गों से होते हुए यात्रा पूरी की, जहाँ जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।

उद्देश्य यह जलयात्रा महोत्सव के सफल आयोजन और क्षेत्र में सुख-शांति की कामना के साथ निकाली गई।

आयोजन समिति का वक्तव्य-महोत्सव की आयोजन समिति के अध्यक्ष ने कहा, श्रीराम महायज्ञ की वर्षगाँठ पर यह भव्य आयोजन एक अद्भुत पहल है, जो धर्म और संस्कृति को नई पीढ़ी से जोड़ता है। आज की जलयात्रा में श्रीमती रमा आर पी निरंजन जी की उपस्थिति और जनसैलाब का उमड़ना यह दर्शाता है कि हमारे समाज में धर्म के प्रति अटूट आस्था है।

श्रीमती रमा आर पी निरंजन जी ने सभी भक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह महोत्सव समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा देगा।आगे के कार्यक्रम

यह महोत्सव [05 दिसंबर] तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा प्रसिद्ध कथावाचक [कावाचक प्रियंका शात्री जी] द्वारा कथा का अमृतपान कराया जाएगा।

रामलीला मंचन स्थानीय कलाकारों द्वारा भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित मनमोहक रामलीला का मंचन किया जाएगा।

मेला महोत्सव बच्चों और परिवार के लिए विभिन्न मनोरंजक स्टॉल, झूले और खाने-पीने की व्यवस्था रहेगी। समिति ने सभी धर्मप्रेमी जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ लें और महोत्सव को सफल बनाएँ।

भ्रष्टाचार में घिरे अलीगढ़ जिले के आठ पुलिस वाले, 360 पुलिसकर्मियों के खिलाफ हुई अब तक प्रारंभिक जांच

अलीगढ़ में ऐसे पुलिसकर्मियों की कमी नहीं है, जिन पर अनुशासनहीनता या भ्रष्टाचार के आरोपों में कार्रवाई का डंडा चला है। ये कार्रवाई जीरो टॉलरेंस नीती को अपनाकर की जा रही है। ताकि महकमे की गंदगी साफ हो सके।नोएडा में एक लाख की रिश्वत लेते कोतवाल के पकड़े जाने के बाद अपने अलीगढ़ जिले में भी भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे पुलिसकर्मी परेशान हैं। जिले में वर्तमान में आठ पुलिसकर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में विभागीय कार्रवाई व जांच जारी है। जिसमें जांच के आधार पर जल्द आगे कार्रवाई के संकेत हैं।अपने जिले में ऐसे पुलिसकर्मियों की कमी नहीं है, जिन पर अनुशासनहीनता या भ्रष्टाचार के आरोपों में कार्रवाई का डंडा चला है। ये कार्रवाई जीरो टॉलरेंस नीती को अपनाकर की जा रही है। ताकि महकमे की गंदगी साफ हो सके। इसी क्रम में जिले में भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे रहने वाले पुलिसकर्मियों, दरोगा व कोतवालों की गोपनीय निगरानी होती रहती है। साथ में शिकायतों पर भी संज्ञान लिया जाता है। इसी क्रम में पिछले 11 माह में अपने जिले में भ्रष्टाचार के मामलों में 28 पुलिसकर्मी व दरोगाओं पर कार्रवाई हो चुकी है। वर्तमान में भी आठ के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इसी तरह अनुशासनहीनता व लापरवाही के मामलों में भी विभागीय जांच चल रही हैं। उनमें जांच पूरी होने पर दंड निर्धारित होगा।जिला पुलिस में अनुशासन व भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस बनाए रखने के साथ साथ महकमे की छवि सुधारना भी हमारी जिम्मेदारी है। इसी क्रम में नियम तोडने पर सजा निर्धारित है। अब तक बहुत सी कार्रवाई हुई हैं। आगे भी कुछ जांच जारी हैं, आरोप साबित होने पर उनमें भी कार्रवाई होंगी।-नीरज जादौन, एसएसपी

इस वर्ष की कार्रवाई का ब्योरा भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाए गए 3 पर दीर्घदंड, 25 पर लघुदंड हुआ। 4 पर विभागीय कार्रवाई व 4 पर प्रारंभिक जांच जारीअनुशासनहीनता के आरोपों में दोषी पाए गए 8 को पदच्युत किया, 65 को लघु दंड दिया। 8 पर विभागीय कार्रवाई व 13 पर प्रारंभिक जांच जारी।

मुकदमों में लापरवाही के आरोपों में 85 को लघुदंड दिया। 23 पर विभागीय कार्रवाई व 44 पर प्रारंभिक जांच जारी। 360 पुलिसकर्मियों के खिलाफ अब तक प्रारंभिक जांच हुई है।

यह भी जानें- 14/1 दीर्घदंड में भ्रष्टाचार या किसी संगीन अपराध के आरोप में जांच के बाद पदानवत, बर्खास्तगी तक की कार्रवाई।

14/2 लघुदंड में अनुशासनहीनता, लापरवाही आदि के आरोप में परिनिंदा, अर्थदंड की कार्रवाई, जिसमें वेतन में कटौती, तीन वर्ष प्रमोशन व एक वर्ष वेतनवृद्धि में रोक तक की कार्रवाई।

भरोसे का संकट: स्टांप ड्यूटी में छूट... फिर भी महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने से बच रहे पुरुष, घट रहा आंकड़ा

महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने पर स्टांप ड्यूटी में एक फीसदी की छूट मिलती है। इसके बावजूद बरेली में बीते चार वर्षों में महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने के आंकड़ों में गिरावट हुई है। इसके पीछे महिला और पुरुष के बीच भरोसे का संकट माना जा रहा है। महिलाओं के नाम संपत्ति खरीदने पर स्टांप ड्यूटी में एक फीसदी की छूट के बावजूद साल दर साल आंकड़ों में गिरावट हो रही है। महिलाओं के नाम बैनामों की संख्या घट रही है।

समाजशास्त्री इसे भरोसे के संकट से जोड़कर देख रहे हैं। वह पुरुष उत्पीड़न की घटनाओं और विवाह जैसे पवित्र रिश्ते में भरोसे की कमी की आशंका जता रहे हैं।संपत्ति के स्वामित्व में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए स्टांप एवं निबंध विभाग छूट दे रहा है। बरेली में विभागीय आंकड़ों पर गौर करें तो कोरोना काल से पहले जो आंकड़े बढ़ रहे थे, अब उनमें गिरावट हो रही है। इस वर्ष अक्तूबर तक जिले में महिलाओं के नाम से 19,139 बैनामे हुए। वर्ष 2022 में 31,114 महिलाओं के नाम संपत्तियों की रजिस्ट्री हुई थी।वर्ष 2025 में अब तक 41,227 रजिस्ट्री से 3,48,19,63,753 रुपये का राजस्व मिला है। इसमें 22,108 पुरुषों के नाम हुई रजिस्ट्री से 3,25,70,68,834 रुपये और 19,139 महिलाओं के नाम रजिस्ट्री से 22,48,94,919 रुपये राजस्व मिला। आंकड़ों बताते हैं कि महिलाओं के नाम से उच्च मूल्य की संपत्ति खरीदने से भी पुरुष पीछे हट रहे हैं।पुरुषों का बढ़ता उत्पीड़न और त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग बन रहे वजह

बरेली कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. नवनीत कौर आहूजा ने बताया कि बीते दो-तीन वर्षों में पति पर पत्नी के हिंसक होने के मामले बढ़े हैं। ज्यादातर मामलों में प्रेम-प्रसंग उजागर हुए। उत्तर प्रदेश समेत देशभर में ऐसी घटनाएं सामने आने से पुरुष वर्ग आशंकित है। इससे पत्नी पर भरोसा डगमगाया है। एक बार पत्नी के नाम से संपत्ति खरीदने पर भविष्य में खरीद-बिक्री का निर्णय पुरुष नहीं ले सकता। पुरुष छूट से ज्यादा अपनी गाढ़ी कमाई को लेकर संवेदनशील हैं।

सोशल मीडिया भी जिम्मेदार- जिला अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ. आशीष कुमार के मुताबिक, सोशल मीडिया भी वैवाहिक जीवन में जहर घोल रहा है। टेलीमानस पर लगातार इससे संबंधित कॉल आती रहती हैं। इसमें घर से निकलने के बाद पत्नी के सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने और पूछने पर संतोषजनक जवाब न देने, महिलाओं द्वारा ज्यादा वक्त फोन पर बिताने और ससुराल पक्ष के साथ कम रहने, छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने या ताना मारने की शिकायतें बढ़ी हैं। इससे रिश्तों की डोर कमजोर हो रही है। जबकि पुरुषों पर महिलाओं द्वारा शक के मामले कम हुए हैं। महिलाओं के नाम रजिस्ट्री के आंकड़े वित्त वर्ष रजिस्ट्री- 2022-23 31,114 2023-24 25,087 2024-25 21,176 2025-26 19,139 (अक्तूबर तक) (नोट = आंकड़े निबंधन कार्यालय से प्राप्त) एआईजी स्टांप तेज सिंह यादव ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार महिलाओं के नाम से रजिस्ट्री पर स्टांप में एक फीसदी छूट दी जा रही है। रजिस्ट्री किसके नाम से होगी, यह खरीदार पर निर्भर होता है। उन पर कोई दबाव नहीं होता। लोग संपत्तियों की रजिस्ट्री महिला के नाम से कराकर छूट का लाभ ले सकते हैं।

संभल फिर चर्चा में: जामा मस्जिद से डेढ़ किमी दूर खोदाई जारी, 1978 के दंगे के बाद मिली थी इसी जगह कुएं में लाश

संभल में जामा मस्जिद से डेढ़ किलोमीटर दूर कुएं की खोदाई दूसरे दिन भी जारी रही। इसी कुएं में 1978 में हुए दंगे के बाद एक शव बरामद किया गया था। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।संभल जामा मस्जिद से डेढ़ किलोमीटर दूर एकता पुलिस चौकी के नजदीक स्थित कुएं की दूसरे दिन भी खोदाई जारी है। अब तक तीन फीट तक खोदाई हो चुकी है। नगर पालिका और प्रशासन के लोग मौके पर मौजूद हैं। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने तेजी से खोदाई का कार्य पूरा करने को कहा है।आसपास के लोगों का कहना है कि 1978 के दंगे के दौरान ये कुआं चर्चा में रहा था। इस कुएं को लेकर 1978 के दंगों से जोड़कर तरह-तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं। मोहल्ला कोटपूर्वी निवासी सुशील कुमार ने बताया कि 1978 के दंगे के दौरान उनके ताऊ रामसरन दास रस्तोगी की हत्या कर दी गई थी और इसी कुएं से लाश बरामद हुई थी।वहीं, दूसरी ओर सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने बताया कि कुएं, तीर्थ, कूप को संवारने का काम नगर पालिका की ओर से किया जा रहा है। इसी क्रम में इस प्राचीन कुएं की खोदाई शुरू कराई है। नगर पालिका द्वारा यह अभियान नवंबर से चल रहा है। इस कुएं को प्राचीन धरोहर के रूप में संवारा जाएगा। फिलहाल खोदाई कराई जा रही है। श्रमिक फावड़े से ही खोदाई करेंगे। एक वर्ष में 16 कुएं चिह्नित कर संवारे गए- नगर पालिका क्षेत्र में प्राचीन कुएं 16 चिन्हित कर लिए गए हैं। इसमें कई कुएं संवारे भी जा चुके हैं। लोहे का जाल लगाकर कवर कर दिया गया है। जिससे उनका अस्तित्व बना रहे। इससे प्राचीनतम स्थिति भी दिखती है। नगर पालिका शहर के सभी कुएं संवारेगी। इसके लिए अभियान एक वर्ष से चल रहा है। एएसआई ने इन तीर्थ व कूपों का किया था सर्वे- चतुर्मुख ब्रह्म कूप स्थित पानी की टंकी के पास, आलम सराय, संभल।

अमृत कूप स्थित कूप मंदिर, दुर्गा कालोनी, संभल। अशोक कूप स्थित मोहल्ला हल्लू सराय, संभल। सप्तसागर कूप स्थित सर्थलेश्वर मंदिर, सरथल चौकी के पास, मोहल्ला कोट पूर्वी, संभल। बलि कूप स्थित पुरानी तहसील के पास, कूचे वाली गली, संभल। धर्म कूप स्थित हयातनगर, संभल। ऋषिकेश कूप स्थित शिव मंदिर, मोहल्ला कोट पूर्वी, संभल। पराशर कूप स्थित कल्कि मंदिर के पास, मोहल्ला कोट पूर्वी, संभल।अक र्ममोचन कूप स्थित कोतवाली के सामने, मोहल्ला ठेर संभल। धरणि वाराह कूप स्थित जामा मस्जिद चौकी के नीचे, मोहल्ला कोट गर्वी, संभल। भद्रका आश्रम तीर्थ, होज भदेसरा, संभल। स्वर्गदीप तीर्थ/सती मठ, स्थित गांव जलालपुर मोहम्मदाबाद, संभल। चक्रपाणि तीर्थ, गांव जलालपुर मोहम्मदाबाद, संभल। प्राचीन कूप स्थित एक रात वाली मस्जिद के पास, मोहल्ला कोट गर्वी, संभल। प्राचीन कूप स्थित जामा मस्जिद परिसर, मोहल्ला कोट गर्वी, संभल।प्रा चीन कूप स्थित बाल विद्या मंदिर के सामने, मोहल्ला चमन सराय, संभल। प्राचीन कूप स्थित न्यारियों वाली मस्जिद, मोहल्ला खग्गू सराय, संभल। प्राचीन कूप स्थित गद्दियों वाला मोहल्ला, कोट पूर्वी, संभल। प्राचीन कूप स्थित सेठों वाली गली, मोहल्ला कोट पूर्वी, संभल। प्राचीन कूप स्थित एजेंटी चौराहे के पास, मोहल्ला डूंगर सराय, संभल। प्राचीन मंदिर व कूप स्थित मोहल्ला खग्गू सराय, संभल। प्राचीन तीर्थ/श्मशान/मंदिर, आर्य कोल्ड स्टोर के पास, अजीजपुर असदपुर, संभल।

एक दिन पहले नवजात का जन्म... सांस लेने में तकलीफ होने पर कराया था एसएनसीयू वार्ड में भर्ती; अब हुआ गायब

कुशीनगर मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू वार्ड से नवजात गायब हो गया। प्राचार्य और सीएमएस समेत नौ पर केस हुआ है। एक दिन पहले बच्चे का जन्म हुआ था। सांस लेने में तकलीफ की बात कहकर स्टाफ नर्स ने वार्ड में भर्ती किया था।कुशीनगर के मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू वार्ड से एक दिन के बच्चे के गायब होने का मामला सामने आया है। मंगलवार को नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के बलकुड़िया गांव के मनिया छापर टोला निवासी रीना पत्नी प्रदीप चौधरी ने सामान्य प्रसव के बाद बच्चे को जन्म दिया था।शाम करीब पौने सात बजे सांस लेने में तकलीफ की बात कह कर स्टाफ नर्स ने उसे एसएनसीयू वार्ड में भर्ती किया था। उसके बाद से बच्चा गायब है। इस मामले में बच्चे के पिता की तहरीर पर बुधवार देर रात पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके शाही, सीएमएस डॉ. दिलीप कुमार, ड्यूटी प्रभारी डॉ. रितेश सिंह समेत नौ पर केस दर्ज कर लिया।एएसपी ने जांच के लिए सीओ पडरौना को निर्देश दिए हैं। प्राथमिक जांच में पुलिस ने बच्चे के लापता होने में मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही पाई है। मनिया छापर टोला निवासी रीना को प्रसव पीड़ा होने पर मंगलवार को मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग में संचालित महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नार्मल प्रसव के बाद उसने बेटे को जन्म दिया। कुछ देर बाद स्टाफ नर्स आई और नवजात को सांस लेने में तकलीफ बताते हुए एसएनसीयू वार्ड में भेज दिया। बुधवार सुबह करीब नौ बजे रीना का पति प्रदीप एसएनसीयू में बच्चे के पास गया तो वहां बच्चा नहीं मिला। %जाओ दूध लेकर आओ- स्टाफ नर्स से पूछा तो उसने कहा कि बच्चा इसी में होगा, मिल जाएगा। जाओ दूध लेकर आओ।

दोपहर करीब 12 बजे जब वह दोबारा गया वार्ड के बाहर तैनात गार्ड ने उसे अंदर जाने से रोक दिया। आधे घंटे इंतजार के बाद भी जब अंदर जाने से रोका गया तो प्रदीप जबरन अंदर चला गया। बच्चा तब भी नहीं था। हालांकि बीएचटी और रजिस्टर में उसके भर्ती होने की एंट्री थी। इसके बाद स्टाफ नर्स पर बच्चे को गायब करने का आरोप लगाते हुए उसने हंगामा शुरू कर दिया। प्राचार्य से भी शिकायत की और पुलिस को भी सूचना दी। स्टाफ नर्स व अन्य से पूछताछ- देर शाम एएसपी सिद्धार्थ वर्मा और पडरौना सीओ मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। स्टाफ नर्स व अन्य से पूछताछ की। एसएनसीयू वार्ड में तैनात स्टाफ नर्सों ने बच्चा बदल जाने की आशंका जताई पर जांच पड़ताल में इसका कोई सबूत नहीं मिला। इन पर दर्ज हुआ केस- एसपी केशव कुमार ने बताया कि बुधवार देर रात नवजात के पिता प्रदीप की तहरीर पर प्राचार्य, सीएमएस और ड्यूटी प्रभारी के अलावा नर्स इंदू सिंह, स्नेहा मौर्य, जूली, उर्मिला, अनारकली एवं गार्ड धर्मेंद्र सिंह पर केस दर्ज कर लिया गया है।एसएनसीयू से नवजात के गायब होने की शिकायत मिली है। सीएमस की ओर से पुलिस को तहरीर दिया गया है। पुलिस जांच कर रही है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से तीन सदस्यी टीम जांच के लिए गठित की गई है। आखिर कहा से लापरवाही हुई है। सीसी टीवी कैमरे का फुटेज भी निकलवाया जाएगा। डॉ. आरके शाही,प्राचार्य, मेडिकल कॉलेज कुशीनगर

बांग्लादेशी-कश्मीरियों का रिकार्ड बना, रोहिंग्याओं का अता-पता नहीं; दिल्ली ब्लास्ट के बाद सर्वे से खुलासा

अलीगढ़ में बांग्लादेशियों और कश्मीरियों का रिकॉर्ड बन गया है। रोहिंग्याओं का अता-पता नहीं मिला है। जिले में खुफिया सर्वे में अब तक सिर्फ आठ रोहिंग्या मिले हैं। अब नए सिरे से सर्वे हो रहा है। जिले में कश्मीरियों की संख्या 765 है।दिल्ली-फरीदाबाद की आतंकी घटनाओं के बाद अलीगढ़ में सर्वे कराकर बांग्लादेशी व कश्मीरियों का विवरण तैयार कर लिया गया है। मगर हैरान करने वाली बात है कि रोहिंग्या का पूरी तरह विवरण नहीं जुटाया जा सका। इस पर जिले में रोहिंग्या सत्यापन के लिए नए सिरे से सर्वे कराया जा रहा है। तभी स्पष्ट हो सकेगा कि जिले में कितने रोहिंग्या अधिकृत या अनाधिकृत तरीके से रह रहे हैं।एएमयू के अलावा कहीं नहीं कश्मीरी- इस कांड के बाद खुफिया टीमों ने कश्मीरियों का डेटा जुटाने का काम किया। जिसमें जिले में निजी स्तर पर जॉब करने वालों से लेकर व्यापार के लिए आने वाले कश्मीरी खोजे गए। मगर जिले में कहीं भी किसी कंपनी में कोई कश्मीरी नहीं पाया गया है। सिर्फ एएमयू में विभिन्न कोर्सों में 765 कश्मीरी छात्र पाए गए हैं, जो यहां रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। यह विवरण मिलने के बाद उनके विषय में पूरी जानकारी शासन व जम्मू-कश्मीर पुलिस को भी भेज दी गई है। यहां जितने कश्मीरियों ने विवरण दिया है, उसे वहां से सत्यापित भी कराया जा रहा है। यहां भी उनकी गतिविधियों पर ध्यान दिया जा रहा है। इधर, 50 पाकिस्तानी लॉग टर्म वीजा पर जिले में दर्ज हैं, उनकी निगरानी जारी है। वहीं 13 बांग्लादेशी जिले में हैं, जिनमें से दस जेल में हैं, जबकि एक महिला अमरुल निशा अपने बच्चों को लेकर शहर में रह रही है। ये भी निगरानी में हैं। संपत्तियों-दस्तावेजों की भी हो रही जांच- जिले में रह रहे रोहिंग्या के नए सिरे से सर्वे के साथ-साथ बांग्लादेशियों के विषय में जानकारी जुटाई जा रही है कि कहीं इन्होंने यहां के दस्तावेज अनाधिकृत रूप से तो नहीं बनवा लिया। जिसके आधार पर कोई संपत्ति तो नहीं बना ली। वहीं जिले में चूंकि पांच वर्ष पहले तक जिले में 246 से अधिक रोहिंग्या थे। हालांकि उसके बाद धरपकड़ पर के चलते काफी गायब हो गए या छिप गए। इसके चलते नए सिरे से सर्वे कराया जा रहा हैं कि आखिर वे कहां गए। जिले में कश्मीरी, बांग्लादेशी व पाक नागरिक निगरानी में हैं। रोहिंग्या कितने हैं, ये आंकड़ा अभी सही नहीं है। इसलिए रोहिंग्या को सही तरीके से सत्यापित कराने के लिए नए सिरे से सर्वे कराया जा रहा है। उसके आधार पर ही सही जानकारी मिल सकेगी।-नीरज जादौन, एसएसपी ये जुटाया विवरण- 765 कश्मीरी एएमयू छात्र के रूप में जिले में 13 बांग्लादेशी जिले में, जिनमें से 10 जेल में 50 पाकिस्तानी नागरिक एलटीवी पर जिले में 8 रोहिंग्या अभी तक जिले में पाए गए सिर्फ

संक्षिप्त समाचार

2.12 करोड़ से उम्मीद निदान केंद्र शुरू, गर्भवती-नवजात शिशुओं की इन रोगों की होगी निशुल्क स्क्रीनिंग

नवजात शिशुओं की पांच रोगों के लिए प्रारंभिक स्क्रीनिंग, जेनिटिक टेस्टिंग और काउंसिलिंग की भी सुविधा होगी।

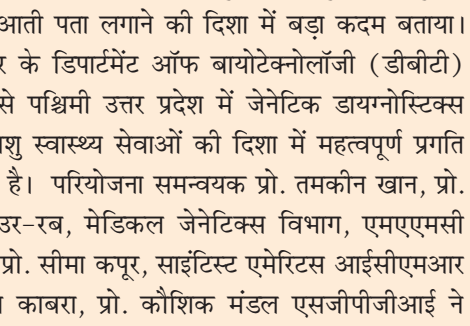

मे डिक ल कॉलेज में यह सभी सेवाएं पहली बार उपलब्ध हुई हैं। केंद्र का संचालन सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा।अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज में 2.12 करोड़ से डीबीटी उम्मीद निदान केंद्र शुरू हो गया है। केंद्र पर गर्भवती महिलाओं की थैलेसीमिया की जांच, जन्मजात विकृतियों और नवजात शिशुओं की पांच रोगों की निशुल्क स्क्रीनिंग की सुविधा होगी।निदान केंद्र में मरीजों के लिए कई विशेष सेवाएं उपलब्ध की गई हैं। नवजात शिशुओं की पांच रोगों के लिए प्रारंभिक स्क्रीनिंग, जेनिटिक टेस्टिंग और काउंसिलिंग की भी सुविधा होगी। मेडिकल कॉलेज में यह सभी सेवाएं पहली बार उपलब्ध हुई हैं। केंद्र का संचालन सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। उन्नत तकनीकों और व्यापक सुविधाओं के साथ डीबीटी निदान केंद्र जल्द ही जेनेटिक रोगों के लिए क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित होगा, जो दुर्लभ बीमारी की पहचान, देखभाल और जन-जागरूकता को मजबूत करेगा। कुलपति प्रो. नइमा खातून ने निदान केंद्र की स्थापना को शोध आधारित चिकित्सकीय सेवाओं, सामुदायिक पहुँच और दुर्लभ रोगों के शुरुआती पता लगाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) के सहयोग से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जेनेटिक डायग्नोस्टिक्स और मातृ शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति माना जा रहा है। परियोजना समन्वयक प्रो. तमकीन खान, प्रो. जेबा जका-उर-रब, मेडिकल जेनेटिक्स विभाग, एमएएमसी की निदेशक प्रो. सीमा कपूर, साइंटिस्ट एमेरिटस आईसीएमआर प्रो मधुलिका काबरा, प्रो. कौशिक मंडल एसजीपीजीआई ने कहा कि केंद्र में मरीजों को बेहतर सुविधा मिलेगी। यहां डॉ. आयशा अहमद, डॉ. गुलनाज नादरी, प्रो. हामिद अशरफ, डॉ. मेहंदी हयात शाही, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष प्रो. जहरा मोहसिन मौजूद रहीं।

माफिया अतीक अहमद के बेटे पर एफआईआर, भड़काऊ रील वायरल करने का आरोप

माफिया अतीक अहमद के बेटे के खिलाफ धूमनगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उसके ऊपर भड़काऊ रील वायरल करने का आरोप है। मामले को स्वतः संज्ञान लेते हुए धूमनगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कराई हैमाफिया अतीक अहमद के बेटे के खिलाफ धूमनगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। उसके ऊपर भड़काऊ रील वायरल करने का आरोप है। मामले को स्वतः संज्ञान लेते हुए धूमनगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कराई है। वायरल वीडियो में डायलॉग है- हम पीछे से वार नहीं करते, सामने से फाड़ देते हैं। बताया जाता है कि अतीक के छोटे बेटे के खिलाफ यह पहली प्राथमिकी है। यह प्राथमिकी बीएनएस की धारा 353 में अबान और उसके साथी हमजा और अज्ञात के खिलाफ दर्ज की गई है।बताया जा रहा है कि दो दिन पहले अबान एक शादी समारोह में गया था। वहां पर कुछ लोगो नें धमकी के डायलॉग के साथ रील बना कर वायरल कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो जब पुलिस तक पहुंचा तो जांच करने के बाद कार्रवाई की गई है।वीडियो कब का है और किस जगह पर बनाया गया इसका एफआईआर में जिक्र नहीं है। 30 सेकंड के वायरल वीडियो में अतीक अहमद का बेटा किसी समारोह में नजर आ रहा है। वीडियो में अबान अलग अंदाज में नजर आ रहा है। वीडियो में दबंगई दिखाते हुए बैकग्राउंड में धमकी भरा डायलॉग भी चल रहा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Say goodbye to dark spots and pigmentation, just choose the right toner for a mirror-like glow.

Whether it's brightening your complexion, removing dirt and grime, or hydrating your skin, a facial toner does it all. You can now choose a toner with natural ingredients based on your skin type and needs. Many varieties are part of skin care. Toners cool and type is essential for its benefits. While alcohol-based nature, they have now Alcohol-based toners are no longer a ingredients. They are also proving effective does a facial toner actually do, how to apply explore this article. What is a facial toner? after cleansing the face and before using and moisturizes the skin. What does a toner and helps other skincare products absorb Here's how to choose a toner for yourself: hydroxy acids and beta hydroxy acids is beneficial for hyperpigmentation and oil problems, avoid using toners with excessive use toners containing antioxidants like moisturizing hyaluronic acid and glycerin toner after cleanser, as it is water-based.

available in the market. Water-based toners are an essential moisturize the skin, choosing a toner based on your skin people previously avoided using face toners due to their become an integral part of people's skincare routines. necessity, as they also come with water-based and natural in brightening the skin and reducing signs of aging. What it, and how can you choose the best one for you? We'll It's typically a water-based lotion or tonic that's applied moisturizer. Although this product feels like water, it cools do? It cleanses the face of impurities, hydrates the skin, more easily. It also helps restore the skin's pH balance. For acne-prone skin: Using a toner containing alpha ideal. Some toners contain salicylic acid, which is considered control. For sensitive skin: If you have any skin-related fragrance, dyes, or preservatives. For mature skin: You can vitamin C and ferulic acid. Additionally, toners containing can also benefit this skin type. How to use: Always apply Many toners come in spray form, which can be sprayed directly onto the face. Some toners are designed to be applied with a cotton ball or cotton swab. Simply cleanse your face and swipe it onto the face with a cotton swab. There's no need to wash your face afterward.

Confident men never tolerate these 5 things in a relationship; don't mistake them for weak.

A strong and confident man is clear about his boundaries and self-respect not only externally but also in his relationships. Such men love their partners deeply, but there are certain things they simply won't tolerate. If you Confident men don't compromise emotional blackmail or drama. decisions. Have you ever composed on the outside never confident men for being confident men are very clear about things they never allow to interfere things that can drive a confident for you. Self-esteem injury - respect above all else. They repeatedly mocks them, belittles privately, such men will not there is no respect. Constant lying of trust. Men who are confident in relationships. Whether it's a small breaker. They believe that a lack the courage to tell the truth. rethinking. Constant interference anyone for their life decisions.

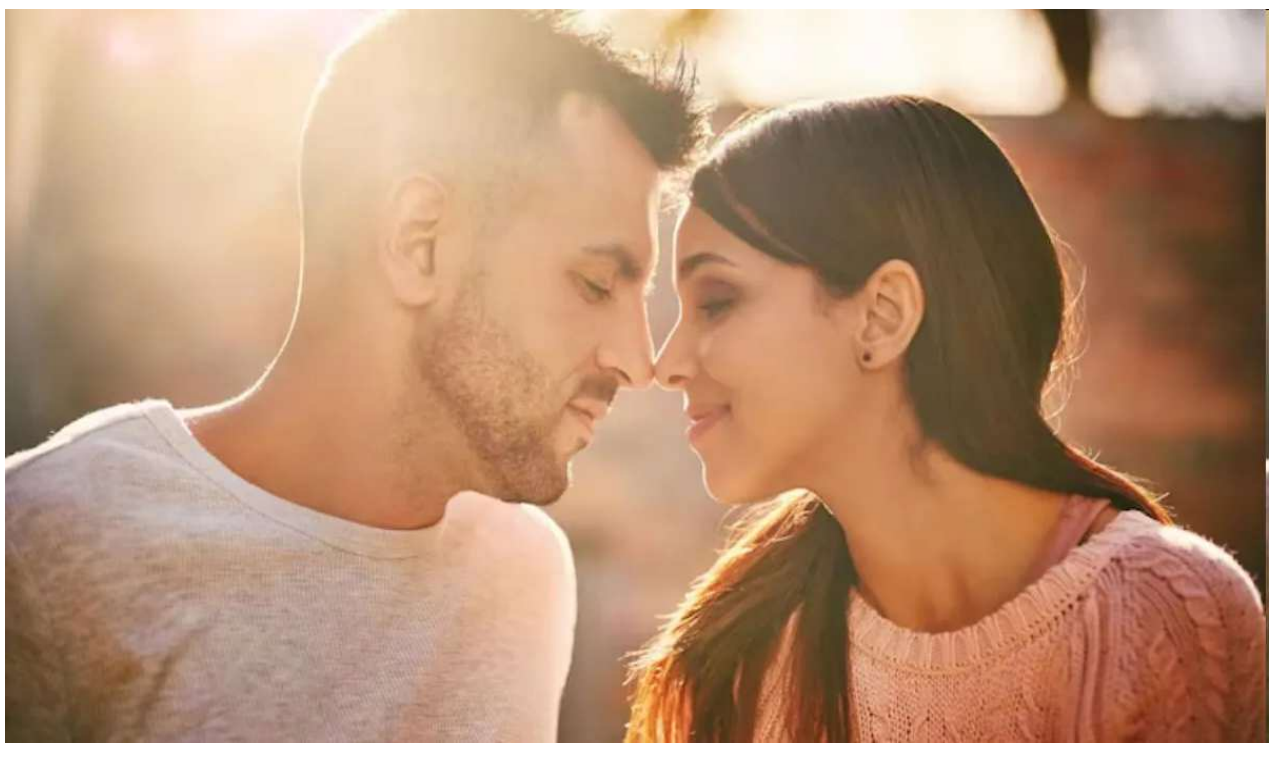

think their calm nature is a weakness, you're wrong. on their self-respect. They instantly recognize They don't like excessive interference in their life wondered what a man who appears calm and compromises on in his relationship? We often mistake "easygoing" or "weak," but the reality is that their boundaries. They love, but there are certain with their self-respect. If you want to know the five man away from a relationship, this article is especially Confident men prioritize their values ??and self-understand that love also means respect. If a partner them, or uses derogatory language, either publicly or tolerate it at all. For them, love cannot survive where and cheating - Confidence is built on the foundation themselves expect complete honesty in their lie or a major betrayal, they consider it a relationship-relationship cannot have a strong foundation if they Such men, once betrayed, don't spend much time in their decisions - Confident men don't depend on They value their partner's opinions, but they dislike constant control or unnecessary interference in every decision, big or small. If their partner makes them feel incompetent or lacks the freedom to do things their way, they quickly distance themselves. Emotional blackmail - A confident man knows that emotional blackmail erodes a relationship. If their partner repeatedly pretends to cry or solicit sympathy to get their way, they consider it manipulative. They understand emotions, but the misuse of emotions is unacceptable to them. They believe in healthy communication, not drama. Disrespecting their friends or work - Confident men maintain a clear balance between their personal life and relationships. Their friends, family, and work are also important to them. If their partner constantly criticizes their friends, mocks their career goals, or tries to distract them from their work, it becomes intolerable. They know that a good partner helps them grow, not holds them back. Confident men respect their partners and expect respect in return. They understand vulnerabilities in relationships, but they don't compromise on self-respect and integrity. So, don't mistake them for "weak"; their boundaries are for the strength of the relationship.

Do you eat breakfast at the wrong time? Change this habit today, or you'll face trouble later.

Eating at the right time of day has many benefits, especially when it comes to breakfast. It helps control weight and improves immunity. According to a journal published in Communications Medicine, people's meal timing, especially breakfast, can affect their this time according to your routine. Eating late increases the risk of a.m. is the perfect time for breakfast. Include 25-30 grams of protein in Besides what and how much you eat for breakfast, and how you balance carbs, the timing of eating is equally important. A UK study on meal impact on health shows that it is crucial for your metabolism, sleep, and The elderly are more affected. Let's explore the impact of meal timing on establish a consistent eating routine. These are the disadvantages of eating This study revealed that delaying the first meal of the day, i.e., breakfast, depression, fatigue, and a number of oral health problems. Furthermore, that delaying breakfast may also be linked to an increased risk of death. breakfast time: Try to eat breakfast within one to two hours of waking breakfast between 7 and 8 am, you can eat lunch by 1 pm and then have Be sure to include 25-30 grams of protein in your breakfast, including eggs, or beans. This will strengthen your muscles, improve brain health, feeling of fullness. Maintain your breakfast time: Prepare your breakfast possible the night before so you don't rush out of the house without eating something unhealthy. Instead of eating the same food every day, it. Keep a list of recipes in a diary or phone, based on your convenience This will make it easier to plan the day ahead. Instead of eating fruit with half an hour apart. This will give you the benefits of both fruit and

lifespan. Adjust depression. 7-8 your breakfast. protein and timing and its overall health. health and how to breakfast late: can lead to scientists believe Determine your up. By eating dinner on time. items like nuts, and increase your as much as anything or eat experiment with and preferences. breakfast, eat it breakfast.

3 affairs...1 broken marriage, Pavitra Punia will be a bride again in 2026. Who is the groom of the 39-year-old actress?

Pavitra Punia Wedding: Bigg Boss 14 fame Pavitra Punia is soon going to tie the knot. Always in the news for her personal life, Pavitra Punia was engaged to Eijaz Khan, but they broke up in 2024. The actress has reportedly been accused of cheating on her first husband. Pavitra Punia will be a bride in 2026. Is she going to marry for the second time at the age of 39? Her engagement with TV actor Eijaz Khan was broken. Pavitra Punia is a television actress who has always spoken openly about her relationships and any issue. Pavitra Punia, who has appeared in shows like Baalveer and Ishq Ki Dastaan, came into the limelight when she became a part of Salman Khan's controversial show Bigg Boss 14, where her love story with Eijaz Khan began. The two even got secretly engaged, but broke up in February 2024. After being separated from him, Pavitra fell in love again and is soon going to transform from Miss Pavitra to Mrs. Punia. When will Pavitra get married? Read the full details below: When will Pavitra Punia tie the knot? According to reports in the Bombay Times, Pavitra Punia is currently experiencing the most beautiful moments of her life and is very excited to begin her new life. According to reports, Pavitra Punia will tie the knot with her US-based businessman boyfriend in mid-March 2026. According to reports, only family members and close friends will attend their wedding. When will Pavitra Punia tie the knot? According to reports in the Bombay Times, Pavitra Punia is currently experiencing the most beautiful moments of her life and is very excited to begin her new life. According to reports, Pavitra Punia will tie the knot with her US-based businessman boyfriend in mid-March 2026. According to reports, only family members and close friends will attend their wedding. Bigg Boss 14 fame Pavitra Punia has dated Ejaz Khan, and she has also been linked to actors like Paras Chhabra and Pratik Sehajpal. In addition to these two, the actress was also engaged to businessman Sumit Maheshwari in 2015, but their engagement was soon broken, after which Sumit made several claims against Pavitra in 2020. Sumit Maheshwari told a YouTube channel called Fifafooj that he and Pavitra were not fiancées, but husband and wife, and that the actress had cheated on him four times. He also revealed that they had gotten married after their engagement, but Pavitra always kept it a secret. However, no official information was ever shared on this by Pavitra.

23 years of live-in, marriage at 41... Ashlesha Savant ties the knot with Sandeep Baswana in a Vrindavan temple.

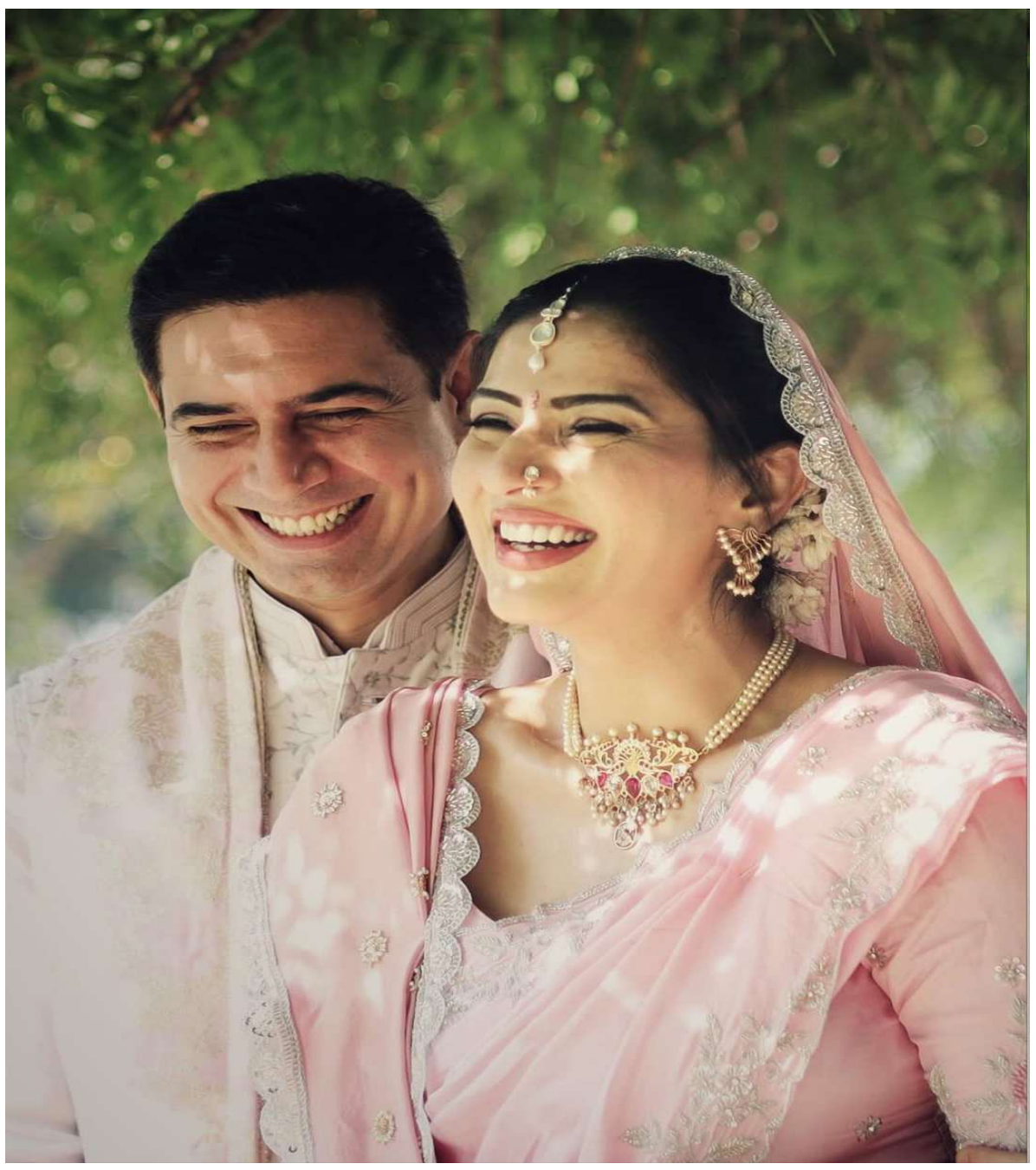

Ashlesha Sawant and Sandeep Baswana, a well-known couple in the TV industry, have now tied the knot. The couple had been dating for two decades. Now, after their wedding, the couple has shared their wedding photos, which are going viral on social media. Ashlesha Sawant and Sandeep Baswana got married. Ashlesha and Sandeep were in a relationship for 23 years - Ashlesha and Sandeep's wedding photos go viral. Famous TV couple Ashlesha Sawant and Sandeep Baswana have now married after 23 years of relationship. Their romance began with the film "Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi" and they later began living in a live-in relationship. After 23 years of dating, the couple recently married. Photos from Ashlesha and Sandeep's wedding have surfaced on social media, showing the couple immersed in love. Ashlesha-Sandeep got married - Anupama actress Ashlesha Sawant and Sandeep Baswana got married on November 16, 2025, at the Chandrodaya Temple in Vrindavan. The wedding was a private affair, attended only by family and close friends. The couple shared photos from their wedding on their Instagram account, showing them looking adorable. 41-year-old Ashlesha Sawant wore a powder pink saree and opted for minimal jewelry. She kept her makeup subtle. She looked beautiful in her bridal look. Sandeep, meanwhile, looked dapper in an ivory sherwani. Actress happy to be Sandeep's wife - Sharing these pictures, Ashlesha Sawant wrote in the caption, "And just like that, we entered a new chapter as Mr. and Mrs. Tradition has made its place in our hearts. We are grateful for all the blessings. I just want to say just married." The couple was tired of questions about marriage - In an interview given to ETimes, Sandeep Baswana told that he was tired of questions about marriage. He said, "We were tired of answering questions like why we are not getting married despite living together for so many years. In my mind, Ashlesha and I were always married." The couple said that they are very happy to enter a new phase.

This actor will return as Spider-Man in Doomsday, raising fans' excitement!

"Avengers: Doomsday" is the next major film in the Marvel Universe, scheduled for release in 2026. The film will star actors like Vanessa Kibbee, Robert Downey Jr., and Lewis Pullman. Reports suggest that fans' favorite hero, excitement. Will Spider-Man make a will release in 2026. This actor will once upcoming sci-fi film, "Avengers: still a long way from release, we've got favorite Spider-Man can make a Anthony Russo and Joe Russo. Spider- to a news in Times of India, well-known information on his Patreon page, has in the role of Spider-Man in the most will have a cameo in Avengers film, this still remains a suspense. If his step of Marvel in the multiverse era. Marvel Universe creators. Fans are Doomsday. One user wrote, "This was my god...now we'll go see this movie bring back memories. We need a box

Spider-Man, may also make an appearance, adding to fans' grand entry in "Avengers: Doomsday"? This MCU sci-fi film again play Spider-Man. Fans are eagerly awaiting the Doomsday." This film is based on Marvel Comics. While it's some news that will likely pique fans' curiosity. Everyone's comeback in the sci-fi film Avengers Doomsday, directed by Man's charisma will be seen in Avengers Doomsday - According expert of Hollywood industry Daniel Richtman, while sharing told that everyone's favorite Tobey Maguire can be seen again awaited film 'Avengers Doomsday'. Whether Tobey Maguire Doomsday or he will be seen in action as Spider-Man in the full entry in the sci-fi film is confirmed, then this will be another big However, there has been no official announcement from the excited to see Tobey Maguire as Spider-Man in Avengers: the news we wanted to see." Another user commented, "Oh directly in the cinema." Another user wrote, "Marvel was right, office comeback." However, according to Daniel Richtman, if Tobey Maguire doesn't appear as Spider-Man in the MCU's Avengers: Doomsday, he will definitely appear in their next franchise crossover, Avengers: Secret Wars. Tobey Maguire has played Peter Parker in all five Spider-Man film series. His character has become iconic.